रोहतक
रविवार 1 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष,
सप्तमी वर्ष : 30, अंक : 269
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 31.6°C
न्यून. 14.0°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



09 हार के बाद बदलाव की राह पर भारत आखिरी टी-20 में नई टीम इलेवन!

हरियाणा सरकार

हरियाणा दिवस

हीरक जयन्ती के अवसर पर

हरियाणावासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवम्बर, 2026



म्हारा हरियाणा, म्हारी शान
म्हारी धरती, म्हारा मान

"हरियाणा दिवस के अवसर पर राज्य के सभी निवासियों को बहुत-बहुत बधाई। यह ऐतिहासिक धरती हमारे किसान भाई-बहनों के अथक परिश्रम, जवानों के अतुलनीय पराक्रम और युवाओं के अद्भुत प्रदर्शन से देशभर के लिए एक मिसाल रही है। प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहे इस प्रदेश के विशेष अवसर पर मैं हर किसी की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।"

- नरेन्द्र मोदी



सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana



हरियाणा सरकार



हरियाणा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवम्बर, 2026



हीरक जयंती के अवसर पर

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

विशिष्ट अतिथि

प्रो. असीम कुमार घोष

माननीय राज्यपाल, हरियाणा

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

विशेष कार्यक्रम

60 वर्ष

हीरक जयंती समारोह

हरियाणा प्रदेश की स्थापना के
60 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

सभागार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
(प्रातः 10:00 बजे)



स्वामी श्रद्धानंद जयंती कार्यक्रम

प्रदेश की छह दशकों की
विकास यात्रा होगी रेखांकित

गुरुकुल, कुरुक्षेत्र
(प्रातः 11:00 बजे)

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए
क्यू.आर. कोड स्कैन करें

आप सादर आमंत्रित हैं

रोहतक
रविवार 1 नवंबर 2026
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष,
सप्तमी वर्ष : 30, अंक : 269
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 31.6°C
न्यून. 14.0°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



09 लॉस एंजिलिस ओलंपिक पदक पर मनीषा की नजरें

बीएस-6 मानकों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों पर बैन

आज से हरियाणा के 10 लाख से ज्यादा वाहन नहीं जा पाएंगे दिल्ली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में एक नवंबर से उन गाड़ियों पर प्रतिबंध लग जाएगा, जो दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड हैं और बीएस-6 मानकों को पूरा नहीं करती हैं। नया नियम 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक जारी रहेगा। नए नियम का हरियाणा के वाहनों चालकों पर खासा असर देखने को मिलेगा। हरियाणा के करीब 10 लाख वाहन ऐसे वाहन है जो बीएस-6 के मानकों को पूरा नहीं करते हैं। गुरुग्राम और फरीदबाद में करीब 2 लाख ऐसी गाड़ियां हैं, जो नए नियमों पर खरा नहीं उतरती। इनमें से 70 प्रतिशत गाड़ियां बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के हैं। इन दो जिलों में लगभग 50 हजार ऐसे कॉमर्शियल गाड़ियां हैं, जो इन मानकों को पूरा नहीं करती हैं। इसके अलावा दिल्ली से सटे झज्जर, सोनीपत से भी हजारों वाहनों का रोजाना दिल्ली आना-जाना होता है। नए नियम में सीएनजी और इलेक्ट्रिक गाड़ियों को पाबंदी से छूट मिली हुई है। इसके अलावा एंबुलेंस, दमकल और जरूरी सेवाओं से जुड़ी गाड़ियों को भी इस पाबंदी से छूट दी गई है। ऐसे वाहन जो दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड हैं, लेकिन बीएस-6 मानकों को पूरा करते हैं, उन्हें दिल्ली में आसानी से एंट्री मिल जाएगी।



नौकरी, बिजनेस करने वालों पर असर

दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान से उन लोगों पर सबसे ज्यादा और बुरा असर पड़ने की संभावना है, जिन्हें नौकरी, काम, बिजनेस के लिए रोजाना दिल्ली आना होता है। बताते चलें कि बीएस-6 गाड़ी, मोटर व्हीकल्स के लिए देश के सबसे नए और सबसे कड़े एमीशन स्टैंडर्ड्स का पालन करते हैं। भारत स्टेज स्टैंडर्ड, इंटरनल कंबशन इंजन से निकलने वाले वायु प्रदूषकों के लिए कानूनी रूप से लागू की गई सीमाओं को तय करते हैं।

दिल्ली के बॉर्डरों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा

नए प्रतिबंध को लागू करने के लिए राजधानी के बॉर्डरों पर चेकिंग की व्यवस्था को न सिर्फ दुरुस्त किया जा रहा है, बल्कि इसे काफी मजबूत भी बनाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर चेकपॉइंट्स और प्रमुख रास्तों पर 'ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन' कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो गाड़ियों की नंबर प्लेट को अपने आप पढ़ लेंगे। एआई-पावर्ड कैमरे राजधानी में आने वाली गाड़ियों की पहचान करेंगे। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नए नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए प्रवर्तन टीमों के लगभग 300 कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा।

इन पर बैन

- आरसी पर बीएस-3 या बीएस-4 लिखा हुआ है। (2020 से पहले के मॉडल)
- दिल्ली से बाहर रजिस्टर्ड डीजल-पेट्रोल वाहन जो बीएस-6 के नीचे के हैं।
- 10 साल पुरानी डीजल या 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

इन्हें एंट्री

- बीएस-6 मानक वाली नई पेट्रोल कारों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति मिलेगी।
- सीएनजी, ईवी वाहनों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। वे सामान्य रूप से चलते रहेंगे।
- एंबुलेंस, अन्य सेवाओं से जुड़े वाहनों को भी नियमों में विशेष छूट दी जाएगी

दोपहिया वाहनों पर भी लागू होगा नियम

ये नियम सभी तरह की पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से चलने वाली गाड़ियों पर लागू होंगे। इनमें दोपहिया और तिपहिया वाहन भी शामिल होंगे।

दिल्ली में रहने वाले लोगों के लिए क्या हैं नियम

अगर आप दिल्ली में ही रहते हैं और आपकी गाड़ी भी दिल्ली में ही रजिस्टर्ड है, लेकिन आपके पास बीएस-6 से पुरानी गाड़ी है तो आपके पास गाड़ी का वैध पीयूसीसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र) होना चाहिए। अगर आपके पास गाड़ी का वैध पीयूसीसी नहीं है, तो आपको पेट्रोल, डीजल और सीएनजी नहीं मिलेगा।

कैसे पता लगाएं गाड़ी बैन होगी या नहीं

इसकी जांच करना बहुत आसान है। अपनी गाड़ी की आरसी पर अगर बीएस-3 या बीएस-4 लिखा है तो आपको दिल्ली में एंट्री नहीं मिलेगी। बीएस-4 लिखा है तो एंट्री नहीं मिलेगी।

तोड़फोड़ से जुड़े कामों पर रहेगा प्रतिबंध

दिल्ली-एनसीआर में पांच से 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े कामों पर प्रतिबंध रहेगा। वहीं, सरकारी और प्राइवेट ऑफिस 5 नवंबर से 20 नवंबर तक 50 प्रतिशत कर्मियों के साथ ही काम करें। बाकी वर्क फ्रॉम होम करेंगे।

दिल्ली में कांग्रेस की रैली, रोहतक में भाजपा करेगी शक्ति प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

देश की राजनीति में रविवार को सियासी शक्ति प्रदर्शन की दो तस्वीरें देखने को मिलेंगी। दिल्ली में जहां कांग्रेस एसआईआर में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बड़ी रैली कर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को घेरने की तैयारी में हैं। इसमें राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्ष के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। वहीं, भाजपा हरियाणा के रोहतक में अपनी ताकत दिखाएगी। पार्टी की ओर से 'संविधान बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होंगे। इसके अलावा हरियाणा भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी, सह प्रभारी, डॉ. भोला सिंह और वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी भी शामिल होंगे। दोनों आयोजनों के केंद्र में संविधान, लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे रहेंगे, लेकिन सियासी संदेश अलग-अलग होंगे। कांग्रेस जहां चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर विपक्षी एकजुटता दिखाना चाहती है। वहीं भाजपा हरियाणा के रोहतक में 'संविधान बचाओ अराजकता हटाओ' अभियान के तहत पदयात्रा पदयात्रा के जरिए संगठनात्मक ताकत और जनसमर्थन का प्रदर्शन करेगी। राष्ट्रीय राजधानी से लेकर हरियाणा की सियासत तक, इन आयोजनों पर राजनीतिक दलों की नजर रहेगी।

कांग्रेस एसआईआर में गड़बड़ी वोट चोरी के लगा रही आरोप

भाजपा निकालेगी संविधान बचाओ अराजकता हटाओ पद यात्रा

▪

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रोहतक में होंगे शामिल

विपक्ष की मॉक संसद में बोले राहुल

2024 लोकसभा चुनाव अवैध, एसआईआर में देश के 15 फीसदी वोटर्स के नाम कटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि एसआईआर के जरिए 13.3 करोड़ यानी 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से कई ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। उस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोट था। राहुल शनिवार को दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर चल रही मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे। पूर्व स्पीकर मीरा कुमार स्पीकर बनीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग लाए। इस कार्यक्रम में कांग्रेस सहित 19 दल के नेता शामिल हुए। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।



पिछले चुनाव में हार-जीत का अंतर 3 फीसदी

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के खिलाफ जनमहाभियोग भी लाए

एक नया पॉलिटिकल हथियार तैयार हो रहा

राहुल ने कहा- हम एक चेतावनी दे रहे हैं चीजें बदल रही हैं। यहां एक नया पॉलिटिकल हथियार तैयार हो रहा है। हम कोई दुश्मन नहीं है, लेकिन हम देश और संविधान की आवाज को उठाएंगे, उसकी रक्षा करेंगे। देश की जनता हमारी ताकत हैं। यह एक परीक्षा है सरकार की। राहुल ने कहा- हम यहां सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए हैं। एक बात है- दो चीजों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। ज्ञानेश एक अलग शख्सियत हैं, और एक संस्था के प्रमुख के तौर पर उनकी अलग शख्सियत है। पहली बात- खड़गे जी गार्डियन हैं, दूसरी बात -जो भी चुनाव आयोग, न्यायपालिका के साथ हो रहा है उसे रोकने का दूसरा रास्ता नहीं था?

खबर संक्षेप

अकासा एयर के प्लेन की टकराई टेल

कोलकाता। अहमदाबाद से कोलकाता जा रहे अकासा एयर के विमान की शनिवार सुबह लैंडिंग के दौरान टेल स्ट्राइक हो गई। विमान ने पहले गो-अराउंड किया और इसके बाद सुरक्षित लैंड किया। फ्लाइट क्यूपी 1925 में सवार सभी यात्री सुरक्षित विमान से उतर गए। विमान को जांच के लिए कोलकाता एयरपोर्ट पर खड़ा किया गया है। अकासा एयर ने बताया कि पोस्ट-फ्लाइट जांच में पिछले हिस्से के जमीन से टकराने की पुष्टि हुई। इसके बाद सुरक्षित लैंडिंग हुई। *एजेंसी*



मानहानि केस में राठी के खिलाफ फिर वारंट

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ फिर से वारंट जारी किया। यह मामला साल 2018 में दर्ज मानहानि की शिकायत से जुड़ा है। राठी पर अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो अपलोड कर विकास पांडे नाम के व्यक्ति की छवि खराब करने का आरोप है। न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन ने यह वारंट जारी किया है। इससे पहले 17 अक्टूबर को भी अदालत ने राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। *एजेंसी*



डायरेक्टर संजय गुप्ता का किचन में गिरने से निधन

मुंबई। कांटे, काबिल, शूटआउट एट लोखंडवाला, मुंबई सागा जैसी बेहतरीन फिल्में डायरेक्ट कर चुके संजय गुप्ता का शनिवार को निधन हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, उनका निधन किचन में गिरने से लगी चोट से हुआ। संजय मुंबई के राम नगर इलाके में एक बंगले में रहते थे। 30-31 अक्टूबर की दरमियानी रात वह किचन में गिरे, जिससे उनके सिर पर चोट आई। बाद में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। *एजेंसी*

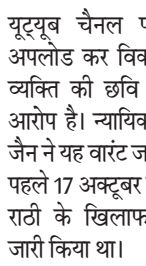

गांव मुंडलाना में हृदयविदारक घटना

गोहाना में मां ने अपने तीन बच्चों के साथ की आत्महत्या

घर में फंदे पर लटके मिले चारों के शव, बच्चों की आयु 4 से 11 वर्ष के बीच, रीमा ने बच्चों को मारकर फंदे पर लटकाया, फिर खुद भी झूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना-पानीपत मार्ग पर गांव मुंडलाना में महिला ने अपने 3 बच्चों को फांसी पर लटकाने के बाद खुद भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बच्चों की आयु 4 से 11 वर्ष के बीच है। गांव मुंडलाना में रीमा (36), बेटी रिहाना (11), आरजू (7) व बेटे दुष्यंत (4) के शव घर में फंदे पर लटके मिले। घटना की सूचना मिलने पर एसीपी राजीव, सदर थाना गोहाना की टीम व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए। रीमा ने पहले तीनों बच्चों को फंदे पर लटकाया और फिर खुद भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक महिला के पति जयदेव प्राथमिक शिक्षक हैं। जयदेव की ड्यूटी जिला पानीपत के गांव सेहरा में है। जयदीप का छोटा भाई रिंकू है। दोनों भाई एक ही घर में रहते हैं। रिंकू का परिवार नीचे रहता है तथा जयदीप पहली मंजिल पर रहता है। मकान में पहली मंजिल पर दो कमरे बने हुए हैं। घटना के समय घर पर कोई भी नहीं था। रीमा की सास मायके गई हुई थी। ससुर और देवर खेत में गए हुए थे। घटना की जानकारी तब मिली जब जयदीप शाम के समय ड्यूटी से लौटा। जब वह अपने घर पहुंचा तो उसे घटना की जानकारी मिली।



पड़ोसियों को भी नहीं लगी भनक

घटना के बारे में पड़ोसियों को भी भनक नहीं लगी। किसी के चीखने-चिल्लाने की आवाज तक सुनाई नहीं दी। माना जा रहा है कि रीमा ने पहले तीनों बच्चों को मारा, उनके मरने के बाद उनके शव को फंदों से लटका दिया और उसके बाद स्वयं फंदे से झूल गई। चारों मौतों की गुत्थी पोस्टमॉर्टम से ही सुलझेगी। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

आखिरी बार दोपहर को देखा

पड़ोसियों के अनुसार रीमा को आखिरी बार दोपहर के डेढ़ बजे तब देखा गया था जब वह सरकारी सप्लाई का पानी घर के नल से भर रही थी। उस समय तीनों बच्चे गली में खेल रहे थे। वह दोनों बेटियों और बेटे को उसी समय अपने साथ गली से ऊपर के कमरों में ले गई थी। उसने इस वारदात को किस वक्त अंजाम दिया, इस के सटीक समय की जानकारी किसी को नहीं है। शाम के समय पति जयदेव के ड्यूटी से लौटने के बाद उसी ने सबसे पहले चारों शवों को देखा। तीनों बच्चे गांव में स्थित एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ रहे थे।

बेंगलुरु में बड़ा हादसा

फाइव स्टार होटल के पूल में करंट, 2 विदेशियों की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के 5-स्टार कॉनराड होटल के स्विमिंग पूल में करंट लगने से दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। घटना होटल की तीसरी मंजिल पर बने पूल में हुई। मृतकों की पहचान 57 साल के जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस और 45 साल के स्लोवाकियाई नागरिक जुराज होर्वाट के रूप में हुई है। दोनों होटल में ठहरे हुए थे। दोनों को बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी नागरिक और होटल का पूल अटेंडेंट घायल हो गए। दोनों को मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस लुफ्थांसा एयरलाइंस में क्रू मेंबर थे। स्लोवाकियाई नागरिक जुराज होर्वाट टेक कंपनी आईबीएम में प्रोजेक्ट मैनेजर थे।

एक एयरलाइन क्रू मेंबर, दूसरा टेक कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर

फोटो पोस्ट कर दी जानकारी

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने निधि राजदान से की शादी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्व पत्रकार निधि राजदान से शादी कर ली है। उमर ने शनिवार को दोनों की 2 तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा- 'कल एक नई शुरुआत हुई, निधि।' पोस्ट के साथ उन्होंने रिंग इमोजी भी लगाया। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स दोनों की शादी और सगाई को लेकर कयास लगा रहे हैं। निधि ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में रिंग इमोजी के साथ लिखा, इट्स डन ब्रो। उमर का पहली पत्नी पायल के साथ इस साल 31 जुलाई को तलाक हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल के तलाक की मंजूरी दी थी।

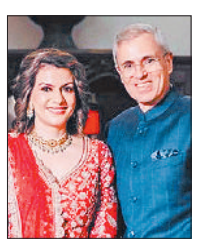

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवात

अर्णब' के बाद एक और तूफान का खतरा, तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात अर्णब का कहर अभी समाप्त नहीं हुआ कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक और चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र तेजी से गहराते हुए 1 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। 3 नवंबर की शाम तक इसके आंध्र प्रदेश तट के करीब पहुंचने की संभावना है। जिसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी (यनम) और ओडिशा में 2 से 4 नवंबर के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, देश में अर्नब तूफान का असर बना हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हो रही है।

हवा की रफ्तार 80 से 90 किमी रहने की उम्मीद

3 नवंबर को टकरा सकता है आंध्र के तट से

जेल में बंद मंत्री को बनाया उम्मीदवार

पंजाब : सीएम समेत आप की 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

चंडीगढ़(ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी ने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। सूची में सीएम भगवंत मान समेत सभी मौजूदा विधायकों के नाम हैं। जेल में बंद मंत्री संजीव अरोड़ा का नाम भी इस लिस्ट में है। पंजाब की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त हो रहा है। इससे पहले राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 94 पर आम आदमी पार्टी के विधायक हैं।

मान ने गृहक्षेत्र नहीं छोड़ा

उम्मीदवारों की लिस्ट के मुताबिक मुख्यमंत्री भगवंत मान धूरी सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। 2022 में वे यहां से 58 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे। धूरी मान का गृह क्षेत्र है और सीट बदलकर वह विरोधियों को सियासी आलोचना की वजह नहीं देना चाहते थे। आप ने लुधियाना वेस्ट से संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है। जून 2025 में अरोड़ा इसी सीट से उपचुनाव जीतकर मंत्री बने थे। अरोड़ा मनी लॉन्ड्रिंग केस में साढ़े 5 महीने से गुरुग्राम जेल में बंद हैं।

जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में घपला

11 महीने बाद जेल से बाहर आए आजम, ईडी ने फिर गिरफ्तार किया

रामपुर। सपा नेता आजम खान बेटे अब्दुल्ला के साथ 11 महीने बाद रामपुर जेल से बाहर आए, लेकिन जेल के गेट से ही ईडी ने आजम को गिरफ्तार कर लिया। पहले जेल के बाहर प्रवर्तन निदेशालय के अफसरों ने आजम से पूछताछ की, फिर अपने साथ गाड़ी में बैठाकर ले गए। ईडी आजम को गाजियाबाद कोर्ट में पेश करेगी। ईडी का आरोप है कि आजम ने जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी धन और ठेकों से जुड़े पैसों का दुरुपयोग किया है। एजेंसी 416.14 करोड़ रुपए के खर्च में अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। इससे पहले ईडी और आजम के बीच जेल के बाहर काफी देर बहस भी हुई। इस बीच आजम ने भावुक अंदाज में कहा- अब कहने को क्या है? यह मुसलमान होने की सजा है। गलती यह है कि एक मुसलमान ने यूनिवर्सिटी बनाई। यह हमारा गुनाह है। वहीं, बेटा अब्दुल्ला आजम रिहा होने के बाद घर चला गया।



बुलेट ट्रेन 3.30 घंटे में पूरा करेगी दिल्ली से वाराणसी का सफर

पीएम ने नॉर्दर्न कॉरिडोर को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन एक घंटे में नई दिल्ली से आगरा और 3 घंटे 30 मिनट में वाराणसी पहुंच जाएगी। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताया कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन के नॉर्दर्न कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। यह कॉरिडोर दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा। इसके बाद वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी होते हुए गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

अयोध्या और लखनऊ भी रुकेगी, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी जानकारी

अभी वाराणसी का सफर 10 घंटे का

वाराणसी से दिल्ली की दूरी करीब 807 किलोमीटर है। तेजस और राजधानी जैसी ट्रेनों को यह दूरी तय करने में 10 घंटे से अधिक लगते हैं। बुलेट ट्रेन से यह सफर सिर्फ 3:30 घंटे में हो सकेगा। रेलवे सूत्रों के अनुसार, सिलीगुड़ी से चलकर वाराणसी पहुंचने वाली बुलेट ट्रेन और वाराणसी से चलकर दिल्ली जाने वाली ट्रेन की टाइमिंग ऐसी रखी जाएगी कि यात्री एक ट्रेन से उतरकर दूसरे में सवार हो सकें।

गहरा प्रेम बोस्निया के पहाड़ों में इंसान और भालू की अनोखी दोस्ती

दो किलो वजनी अनाथ भालू के बच्चे को घर में पनाह दी, पालन-पोषण कर दिया नया जीवन

अब भी बचपन की तरह मालिक की गोद में बैठना चाहती है 150 किलो की माशा

सेंट्रल डेस्क ▶▶ रोहतक

बोस्निया और हर्जेगोविना के पहाड़ों में एक बचाव अभियान ने इंसान और भालू के बीच दोस्ती की एक अनोखी मिसाल कायम कर दी है। माउंट ओज़ेन पर रहने वाले इलेक्ट्रिशियन पेटार टुबिक ने वर्ष 2019 में जंगल में अकेले मिले एक दो किलो वजनी अनाथ भालू के बच्चे को अपने घर में पनाह दी थी। उन्होंने उसका पालन-पोषण किया और उसे नया जीवन दिया। छह साल बाद माशा नाम का यह भालू अब करीब 150 किलोग्राम का हो चुका है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा और ताकतवर होने के बावजूद वह आज भी अपने बचपन की तरह पेटार के करीब रहना पसंद करता है। एक रिपोर्ट में पेटार और माशा की इस असाधारण दोस्ती का जिक्र किया गया है। इस दोस्ती ने पेटार की निजी संपत्ति को जंगली जानवरों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल में भी बदल दिया है।



नन्हे शावक से 150 किलो के विशाल भालू तक का सफर

वर्ष 2019 में जब पेटार को माशा जंगल में मिली थी, तब उसका वजन महज दो किलोग्राम था। वह अपनी मां से बिछड़ चुकी थी और जंगल में अकेली थी। पेटार उसे अपने घर ले आए। उन्होंने उसे दूध और फल खिलाकर पाला और धीरे-धीरे उसकी सेहत में सुधार हुआ। शुरुआत में यह सिर्फ इंसानियत के नाते उठाया गया एक कदम था, लेकिन जल्द ही इसने पेटार की पूरी दिनचर्या बदल दी। आज माशा एक विशाल और ताकतवर वयस्क भालू बन चुकी है। वह आज भी पेटार के पास स्नेह जताने के लिए पहुंचती है और कभी-कभी उनकी गोद में चढ़ने की कोशिश भी करती है। पेटार को कई बार माशा के साथ खेलते हुए चोटें आई हैं और उनके कपड़े तक फट चुके हैं।

भालू की दोस्ती ने बदली पूरे परिवार की जिंदगी

माशा पेटार की संपत्ति पर रहने वाला अकेला भालू नहीं है। उन्होंने ल्युबिका नाम की एक दूसरी मादा भालू को भी अपने यहां आश्रय दिया है। इस तरह उनके ऊपर इन जंगली जानवरों की देखभाल की जिम्मेदारी लगातार बढ़ती गई। समय के साथ माउंट ओज़ेन स्थित उनका घर और परिसर जरूरतमंद जानवरों के लिए एक सुरक्षित ठिकाने में तब्दील हो गया। यहां दो भालुओं के अलावा भेड़िये, हिरण, रैकून और कई अन्य जानवर भी रहते हैं।

जंगल में क्यों नहीं छोड़े जा सकते भालू

पेटार और भालुओं के बीच गहरा लगाव होने के बावजूद उनके भविष्य को लेकर एक मुश्किल सवाल बना हुआ है। पेटार ने कई बार विचार किया है कि माशा और ल्युबिका को जंगल में छोड़ दिया जाए। लेकिन वर्षों तक इंसानों के बीच रहने के कारण ये भालू अब मनुष्यों के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि जंगल में सुरक्षित जीवन नहीं बिता पाएंगे।

खबर संक्षेप



चंडीगढ़। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हरियाणा लोक भवन में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पुष्पांजलि अर्पित की।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक तीन नवंबर को

चंडीगढ़। हरियाणा कैबिनेट की बैठक तीन नवंबर को सुबह 11 बजे होगी। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (मंत्रिमंडल अनुभाग) द्वारा जारी किए आधिकारिक नोटिस के अनुसार, यह बैठक चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय की चौथी मंजिल पर बने मुख्य सभा कक्ष में होगी। मंत्रिमंडल के सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से इस संबंध में तत्काल नोटिस जारी कर दिया गया है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार ओपी शर्मा का हार्टअटैक से निधन

हिसार। टीवी मीडिया से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार ओपी शर्मा (45) के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत में गहरा शोक व्याप्त है। उन्होंने शनिवार सुबह चंडीगढ़ पीजीआई में हृदय गति रुकने के कारण अंतिम सांस ली। ओपी शर्मा को टीवी पत्रकारिता में दो दशक से अधिक का अनुभव था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने उनके निधन पर शोक जताया। ओपी शर्मा के अंतिम संस्कार में हिसार जिले के धांसू गांव में हिसार ही नहीं चंडीगढ़ और हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पत्रकार पहुंचे। पत्रकारों ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

खिलाड़ियों से खिलवाड़ कर रही सरकार : जजपा

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार हरियाणा के खिलाड़ियों के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को एशियन और पैरा एशियन गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों के राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के दौरान व्यवस्थाओं में भारी अव्यवस्था देखने को मिली। स्कूली बच्चों को भीड़ जुटाने के लिए बुलाया गया और बच्चों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ा। कार्यक्रम स्थल पर उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण खिलाड़ियों और लोगों को खासा परेशान होना पड़ा।

जनप्रतिनिधि सम्मेलन दो नवंबर को : कल्याण

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से 2 नवंबर को पंचकूला स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाला जनप्रतिनिधि सम्मेलन संवैधानिक मूल्यों, हरियाणा की विकास यात्रा और विकसित हरियाणा के लक्ष्य को हासिल करने में जनभागीदारी की भूमिका पर व्यापक विचार-विमर्श का मंच बनेगा। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि सम्मेलन में इस बात पर विशेष मंथन होगा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में जनप्रतिनिधि किस प्रकार प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। सम्मेलन में कई प्रमुख हस्तियां विचार रखेंगी, जबकि 31 विधायकों और पूर्व विधायकों ने आने की इच्छा जताई है।

जागरूक नागरिकों की भागीदारी से मजबूत होगा लोकतंत्र : कैप्टन अभिमन्यु

■ 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत गुरुग्राम में प्रबुद्ध जन गोष्ठी को पूर्व वित्तमंत्री ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया

गोष्ठी में लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और सुशासन को बढ़ावा देने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

लोकतंत्र की मजबूती केवल संवैधानिक संस्थाओं से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान से सुनिश्चित होती है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग की जिम्मेदारी है कि वह लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने के साथ राष्ट्रहित के मुद्दों पर जन-जागरूकता बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाए।

लोकतंत्र की मजबूती पर मंथन

यह बात हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने शनिवार को सोहना रोड स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रबुद्ध जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे कैप्टन अभिमन्यु ने लोकतंत्र की मजबूती, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और सुशासन जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। समाज में सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देकर रचनात्मक सोच विकसित की जा सकती है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, जिला प्रभारी संदीप जोशी, पूर्व प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ और कार्यक्रम संयोजक पार्षद कुलदीप यादव मौजूद रहे। इनके अलावा प्रदेश एनजीओ प्रकोष्ठ संयोजक बोधराज सीकरी, वीटा डेयरी चेयरमैन राम अवतार गर्ग, जिला महामंत्री अजीत यादव व मनीष सैदपुर और जिला मीडिया सह प्रभारी कृतिक जैन सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक व भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए।

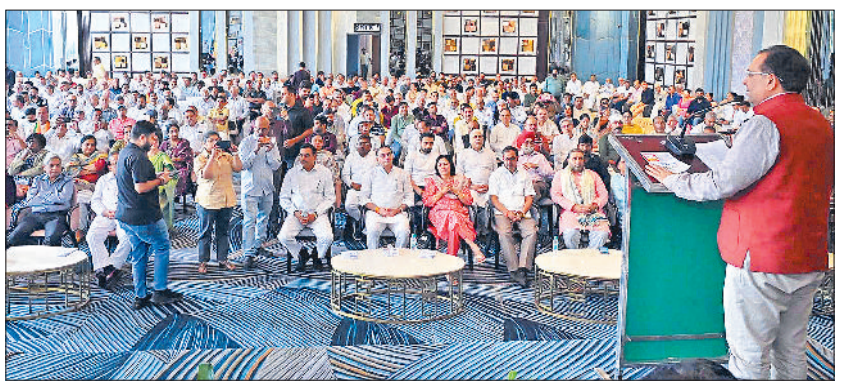

गुरुग्राम। प्रबुद्ध जन गोष्ठी को संबोधित करते पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।



गुरुग्राम। गोष्ठी में पूर्व वित्तमंत्री को बुके भेंट करते कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह व पार्टी के पदाधिकारी।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान

गोष्ठी में लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और सुशासन को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए। प्रबुद्ध नागरिक जनमत को सकारात्मक दिशा देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर मुख्यमंत्री ने दिया एकता और अखंडता का संदेश

विकसित हरियाणा के साथ सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान

■ मुख्यमंत्री का युवाओं से आह्वान, नशे से रहें दूर, इंटरनेट मीडिया पर बिना जांचे न फैलाएं अफवाह

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों से विकसित हरियाणा के साथ-साथ सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी संदेश को आगे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें तथा अफवाहों और भेदभाव को बढ़ावा देने वाली बातों से बचें। उन्होंने कहा कि युवाओं के छोटे-छोटे जिम्मेदार कदम समाज में विश्वास और सद्भाव को बढ़ावा दे सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में एचएसवीपी शिवालिक कंट्री क्लब, एमडीसी, सेक्टर-1, पंचकूला में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।



'रन फॉर यूनिटी' पर मुख्यमंत्री ने की पुष्प वर्षा

इससे पहले उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन पर पुष्प वर्षा की और स्वयं भी 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभक्ति के उत्साह और भारत की एकता के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ आयोजित इस दौड़ का संदेश पूरे देश में जाएगा कि हम सब एक हैं और भारत की एकता एवं अखंडता को सदैव अक्षुण्ण रखेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियां थीं। देश विभाजन की पीड़ा से गुजर रहा था और सैकड़ों रियासतों को एक राष्ट्र के सूत्र में पिरोने का कठिन दायित्व सामने था। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने अपनी दूरदृष्टि, संवाद कौशल और दृढ़ इच्छाशक्ति से 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने आधुनिक भारत की एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, नीयत साफ हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो, तो असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

कश्यप समाज की गौरवशाली परंपरा सेवा, त्याग और राष्ट्रभक्ति की मिसाल



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास सेवा, त्याग, परिश्रम और राष्ट्रभक्ति की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा है। समाज ने हर दौर में देश और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंजाब के धर्मकोट में आयोजित कश्यप मेहरा समाज के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के बलाचौर हलके के गांव बागोवाल में युवा रैली को सम्बोधित किया। रैली में रवि इन्द्र बलाचौर ने अपने साथियों के साथ भाजपा ज्वाइन की। स अवसर पर डेरा मौरी के महाराज दयाल दास, सरदार राज बागोवाल, सरंपच नरेश कुमार सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

■ मुख्यमंत्री ने पंजाब के धर्मकोट में कश्यप मेहरा समाज के कार्यक्रम को संबोधित किया

शिक्षिका मनीषा केस दोबारा खुलेगा, क्लोजर रिपोर्ट खारिज

■ सीबीआई कोर्ट ने सीनियर आईपीएस को जांच सौंपी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

भिवानी की 19 वर्षीय प्ले-स्कूल टीचर मनीषा की मौत के मामले में पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने मनीषा की मौत को आत्महत्या बताने वाली सीबीआई की अंतिम रिपोर्ट खारिज कर दी है। मनीषा के परिवार ने इस रिपोर्ट का विरोध करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मामले की नए सिरे से जांच के आदेश दिए हैं। अब सीबीआई के एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में दोबारा जांच की जाएगी।

डेढ़ साल चली जांच

मनीषा का शव 13 अगस्त 2025 को भिवानी के सिंघानी गांव के खेतों में मिला था। 18 अगस्त 2025 को पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बताया था। इसके बाद प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन हुए। 26 अगस्त 2025 को मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी। करीब एक साल की जांच के बाद सीबीआई ने कोर्ट में अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। करीब डेढ़ साल तक जांच करने के बाद सीबीआई ने 12 अगस्त 2026 को पंचकूला की विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी और मौत की वजह खुदकुशी बताई थी। हालांकि, मृतका के पिता संजय कुमार और उनके वकीलों ने इस रिपोर्ट को अदालत में चुनौती दी। याचिका में सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग, एफएसएल रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की सत्यता पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। परिजनों का तर्क था कि मौके के तथ्य आत्महत्या की ओर इशारा नहीं करते। कोर्ट के आदेश के बाद क्लोजर रिपोर्ट सीबीआई के पास वापस भेजी जाएगी। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की देखरेख में सीबीआई की टीम नए सिरे से तमाम सबूतों, एफएसएल रिपोर्ट और परिस्थितियों की गहन जांच पड़ताल शुरू करेगी।



पिता बोला- न्याय की उम्मीद जगी

शिक्षिका के पिता संजय ने कहा कि सीबीआई ने डेढ़ साल जांच के बाद इसे आत्महत्या बताकर क्लोजर रिपोर्ट कोर्ट में दी थी, जिसे हमने चुनौती दी थी। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब हमें दोबारा से न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

डॉक्टरों, नर्सों और फार्मासिस्टों के लिए डिजिटल पहचान अनिवार्य

■ 90 दिन में एचपीआर आईडी नहीं लेने पर अस्थायी पंजीकरण होगा निलंबित

पंचकूला। हरियाणा सरकार ने चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों, आयुष चिकित्सकों, नर्सों, फार्मासिस्टों और अन्य पात्र स्वास्थ्यकर्मियों के लिए हेल्थ केयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) पहचान संख्या अनिवार्य कर दी है। नए नियमों के तहत पेशेवर पंजीकरण या उसके नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को निर्धारित अवधि में एचपीआर आईडी प्राप्त करनी होगी। ऐसा नहीं करने पर उनका अस्थायी पंजीकरण निलंबित किया जा सकेगा और निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार उन्हें पंजीकरण बहाल होने तक चिकित्सा कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। हरियाणा की स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत स्वास्थ्यकर्मियों की पेशेवर योग्यता के सत्यापन को मजबूत बनाने और उनका व्यापक डिजिटल डेटाबेस तैयार करने के उद्देश्य से नई व्यवस्था की जानकारी दी।हालांकि, निर्धारित अवधि में एचपीआर आईडी प्राप्त नहीं करने पर अस्थायी पंजीकरण निलंबित हो जाएगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई स्वास्थ्यकर्मी 90 दिनों के भीतर एचपीआर आईडी प्राप्त करने में विफल रहता है, तो लागू वैधानिक प्रावधानों के अधीन उसका अस्थायी पंजीकरण बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के निलंबित हो जाएगा।

6230 पंचायतों के विकास के लिए एसएफसी ने जारी किए 579 करोड़

■ ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों पर बनी सहमति, बकाया पत्र भी जारी : कृष्ण पंवार

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, हरियाणा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मांगों पर विस्तार से चर्चा की। पानीपत में आयोजित बैठक शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई।

बैठक में मांगों पर चर्चा

बैठक में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया और सभी 17 मांगों पर सहमति बन गई जिसमें से 12 मांगों आवश्यक पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। मांगों के समाधान से प्रदेशभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों में खुशी की लहर है। इसी कड़ी में प्रदेश की 6230 ग्राम पंचायतों के विकास के लिए राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) के माध्यम से 579 करोड़ रुपए पंचायतों के खातों में जारी किए गए हैं। इस राशि से गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकेगा। सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए धन की कमी आड़े न आए और प्रत्येक गांव तक विकास का लाभ पहुंचे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और उनकी जायज मांगों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी गांवों को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका कार्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ ग्रामीण वातावरण तैयार करने में भी अहम योगदान है। सरकार उनके परिश्रम और सेवाओं का सम्मान करती है।

हरियाणा फायर सर्विस विभाग में संयुक्त निदेशक की मुश्किलें बढ़ीं

चंडीगढ़। हरियाणा फायर विभाग में तैनात फायर सर्विस विभाग में संयुक्त निदेशक को लेकर शिकायत पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिए मामले में जांच के आदेश किए और कहा कि किसी भी भ्रष्टाचारी को नहीं बख्शा जाएगा। बताया जा रहा है कि गुलशन कालरा को गुरुग्राम मुख्यालय में रहने के निर्देश, बिना अनुमति पंचकूला आने पर रोक लगा दी गई है। कालरा के खिलाफ चल रही है भ्रष्टाचार मामले में जांच पड़ताल और हरियाणा फायर सर्विस डायरेक्टर जनरल शेखर विद्यार्थी ने भी गुलशन कलरा की वापसी से किया इनकार किया है। कुछ समय पूर्व पंचकूला स्थित हरियाणा अग्निशमन सेवा विभाग में संयुक्त निदेशक (टेक्निकल) गुलशन कालरा को लेकर विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए थे। पंचकूला स्थित हरियाणा अग्निशमन सेवा विभाग में संयुक्त निदेशक (टेक्निकल) गुलशन कालरा को लेकर विभाग ने सख्त निर्देश दिए हैं।

■ मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

Chhotu Ram College of Education Rohtak

[Recognized by NCTE, Haryana Govt. Aided, Affiliated to M. D. University, Rohtak and Run & Managed by **Jat Education Society (Regd.) Rohtak**]
Website: https://crcollegerohtak.com
Email: crcoe2008@yahoo.com | Phone no: +91- 9050385227

Advertisement for the Post of PRINCIPAL

For Online portal and more details visit college website.
Advertisement no: JES/G-CRCE/100__dated :31.10.2026__ Portal Opening Date: 01.11.2026 | Portal Closing Date & Time: 23.11.2026 (till 5:00 PM IST)

Online applications are invited from eligible candidates for appointment to the vacant post of Principal (General) at Chhotu Ram College of Education Rohtak, on a regular basis against a Grant-in-Aid post sanctioned by the Government of Haryana, in the Pay Matrix at Academic Level 14 (₹1,44,200–₹2,18,200) under the 7th CPC.The eligibility conditions, age relaxation, reservation, qualifications, pay scale, and selection criteria shall be as per the latest applicable norms and guidelines issued by the UGC, National Council for Teacher Education Delhi, M.D. University, Rohtak, the State Government, and the Director General Higher Education, Haryana, Panchkula, with reference to the Haryana Affiliated Colleges (Security of Service) Rules, 2006, and the notifications dated 11.11.2022, 12.12.2022, and 18.04.2023.

Submission of Application:

Applications shall be submitted only through the online application portal, along with a non-refundable application fee of ₹1,000/- for candidates belonging to the General Category and ₹250/- for SC/BC candidates of Haryana. No application shall be entertained if submitted solely through e-mail, post, courier, or by hand. After successful submission of the online application, the hard copy of the complete downloaded PDF application form, along with all supporting documents, must be submitted separately to each of the following three offices and must reach the respective office on or before 5:00 PM IST on 23rdNovember 2026: **(i) The Director General, Higher Education, Siksha Sadan, Sector-5, Panchkula, Haryana; (ii) The Dean, College Development Council, M. D. University, Rohtak; and (iii) The Office of the President, Governing Body, Chhotu Ram College of Education, Rohtak.**

No Objection Certificate (NOC) from the present employer must be attached. Applications found incomplete and/or received after last date will not be considered.

Gulab Singh, President,
Governing Body, Chhotu Ram College of Education Rohtak

एसआईआर की प्रक्रिया को गलत बताने वाले संविधान विरोधी : गुर्जर

■ पूर्व शिक्षामंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर दुष्प्रचार का आरोप लगाया

पंचकूला। भाजपा मुख्यालय पंचकमल में आयोजित बुद्धिजीवी संवाद सम्मेलन में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने राहुल गांधी एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को गलत ठहरना संविधान विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सही ढंग से चलाने के लिए ही एसआईआर का प्रावधान संविधान में किया गया था। उन्होंने 2026 के एसआईआर को अब तक का सबसे बेहतरीन और पारदर्शी करार देते हुए कहा कि देश का कोई भी नागरिक मतदाता सूची में अपनी जानकारी डिजिटल माध्यम से प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि कांग्रेस राज में मनमाने ढंग से मुख्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की जाती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर उसे मजबूत किया।



दस-दस बूथों पर जोन अध्यक्ष नियुक्त करेगा इनेलो : अभय चौटाला

चंडीगढ़। इनेलो पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में फैसला लिया गया कि पार्टी दस-दस बूथों पर एक जोन अध्यक्ष नियुक्त करेगी। इसके लिए प्रदेश के सभी 23 जिलों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी नियुक्त किया गया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक प्रक्रिया पूरी करवाकर जोन प्रधानों का चयन करेंगे।अभय चौटाला ने कहा कि इनेलो का उद्देश्य संगठन को केवल कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि प्रत्येक गांव, बूथ और घर तक जननायक चौधरी देवीलाल की विचारधारा एवं जनहित की आवाज पहुंचाना है। बूथ स्तर पर मजबूत संगठन तैयार करके कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा।

नए लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर हलचल तेज, कई पूर्व जस्टिस रेस में

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा में खाली हुई लोकायुक्त की कुर्सी पर अभी तक नई नियुक्ति नहीं होने के कारण जहां कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। वहीं, इस कुर्सी पर नई नियुक्ति को लेकर हलचल की शुरुआत हो गई है, इसके लिए कई पूर्व जस्टिस लाइन में हैं, जिन्होंने अपने अपने स्तर पर प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। यहां पर बता दें कि 11 सितंबर 2021 को जस्टिस हरिपाल वर्मा का शपथ ग्रहण हुआ था। जिसके बाद में पांच साल पूर्ण कर 10 पिछले माह रिटायर हो गए। फिलहाल, लगभग दो माह का वक्त बीत जाने के कारण कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। इस कुर्सी पर नई नियुक्ति को लेकर हलचल की शुरुआत हो गई है। फिलहाल, यहां रजिस्ट्रार विमलेश तंवर और वीपी सिरोही ने कामकाज संभाला हुआ है। बतौर रजिस्ट्रार की नियुक्ति भी पूर्व जिला जज अथवा एडीजे अनुभव वाले रिटायर न्यायिक अधिकारियों की होती है। लोकायुक्त का कार्यकाल पांच साल का जबकि रजिस्ट्रार को एक साल का मौका मिलता है, जिसको एक एक साल कर 65 की उम्र तक बढ़ाया जा सकता है।हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस हरिपाल वर्मा का कार्यकाल 10 सितंबर 2026 को समाप्त हुआ और वे चंडीगढ़ में ही पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में जस्टिस रहे थे। उनकी सेवानिवृत्ति होने के बाद से राज्य में लोकायुक्त का महत्वपूर्ण पद रिक्त चल रहा है। 'हरियाणा लोकायुक्त अधिनियम, 2002' के प्रावधानों के अनुसार, राज्य सरकार को इस पद पर नई नियुक्ति करने के लिए प्रक्रिया शुरू करनी होगी।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़ में रोहतक के युवक की हादसे में मौत

चंडीगढ़। सेक्टर-16 और 17 को जोड़ने वाली सड़क पर तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई।



टक्कर के बाद गाड़ी 4 बार पलटी और डिवाइडर पर लगी लोहे की ग्रिल में फंस गई। थार में सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को काफी मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकाला गया। स्थानीय लोग दोनों को सेक्टर-16 स्थित सिविल अस्पताल में लेकर गए, जहां डॉक्टर ने साहिल नाम के युवक को मृत घोषित कर दिया। साहिल रोहतक में कारों की खरीद-बिक्री का काम करता था। वह चंडीगढ़ में भी अपना कारोबार शुरू करना चाहता था। इसी सिलसिले में वह ऑफिस और बिजनेस से जुड़ी संभावनाएं देखने के लिए चंडीगढ़ आया था। वह मोहाली निवासी दोस्त हिमांशु को साथ लेकर आया था।

करंट की चपेट में आने से छात्र की मौत

बाढ़ड़ा। कस्बे के एक छात्र की सिंचाई में प्रयोग होने वाले पाइप के बिजली आपूर्ति लाइन के छूने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार किया। गांव बाढ़ड़ा निवासी किसान जयप्रकाश का पुत्र नितेश स्कूल के बाद घर लौट कर सिंचाई के लिए पाइप लाइन का कार्य कर रहा था। अचानक एक पाइप वहां से गुजर रही हाइटेंशन आपूर्ति लाइन से छू गया, जिससे नितेश करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था नितेश को उपचार के लिए कस्बे के जुई रोड स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। किसान के दो पुत्र थे और 15 वर्षीय नितेश उनका छोटा पुत्र था।

फरीदाबाद में 16 प्रदूषण जांच केंद्र निलंबित

फरीदाबाद। बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेप-1 लागू होने के बाद परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। आरटीए मुनीष सहगल ने टीम के साथ शहर के पेट्रोल पंपों और प्रदूषण जांच केंद्रों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नियमों और निर्धारित मानकों में कमियां मिलने पर 16 प्रदूषण जांच केंद्रों को निलंबित कर दिया गया। विभाग की टीम ने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया की जांच की। आरटीए ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए कि वाहन में पेट्रोल-डीजल भरने से पहले उसका वैध पीयूसीसी जरूर जांचें।

95 हजार की साइबर ठगी में आरोपी दबोचा

फरीदाबाद। पैसे ट्रांसफर करने का झूठा मैसेज भेजकर 95000 रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने अजीत पासवान निवासी मुजेसर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-22 निवासी ने शिकायत दी थी कि 30 सितंबर को उसके साथ झूठे पैसे भेजने के मैसेज आए थे, जिनसे धोखाधड़ी हुई।

पंचकूला के सरकारी स्कूल में बच्ची से दरिंदगी पर परिजनों का हंगामा

सुरक्षा में चूक पर स्कूल प्रबंधन पर केस दो टीचर सस्पेंड, 5 सदस्यीय कमेटी गठित

- हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने स्कूल में जाकर जांच की
- बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने डीईओ से मांगा जवाब
- बच्ची के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी राज्य सरकार, सभी स्कूलों का होगा सुरक्षा ऑडिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़/पंचकूला



पंचकूला। सेक्टर 20 स्थित स्कूल के बाहर भारी संख्या में तैनात की गई पुलिस।

पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित सरकारी स्कूल में केजी की छात्रा (6) पर तीसरी कक्षा के छात्र (8) द्वारा बेरहमी से ईंटों से हमला करने के बाद शनिवार को नाराज अभिभावकों ने स्कूल के बाहर जमकर हंगामा किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन और प्रिंसिपल के खिलाफ नारेबाजी की और लापरवाही के आरोप लगाए। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही के कारण बुधवार को यह घटना हुई। हंगामा बढ़ता देख सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला संभाला। वहीं, पुलिस ने स्कूल प्रबंधन पर केस दर्ज कर लिया है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने जेबीटी टीचर सिमरनजीत व पूजा रानी को सस्पेंड कर दिया है।

बाल आयोग की चेयरपर्सन ने बच्ची का हाल जाना

बच्ची पर हुए हमले का हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तृप्ति हरिपाल श्योराण ने संज्ञान लिया। उन्होंने पीजीआई चंडीगढ़ जाकर पीड़ित बच्ची के परिवार से मुलाकात की और उसके इलाज की जानकारी ली। आयोग ने पंचकूला के जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर रिपोर्ट और अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा मांगा है।

बच्ची के चेहरे पर चोट व नाक की हड्डी टूटी

पीजीआई के डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची की हालत खतरे से बाहर है, लेकिन उसके चेहरे पर चोट है और नाक की हड्डी में फ्रैक्चर आया है। शरीर पर कई जगह चोट हैं। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बच्ची के परिजनों की शिकायत मिल गई है। आरोपी छात्र भी नाबालिग है। इसलिए पुलिस ने डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों से इस मामले में राय मांगी है।

बच्चों के व्यवहार को समझने के लिए विशेष सिस्टम बनना चाहिए : बत्रा

हरियाणा मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति ललित बत्रा और असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. पुनीत अरोड़ा स्कूल पहुंचे और जांच की। जस्टिस ललित बत्रा ने कहा कि पंचकूला के सरकारी स्कूल में बच्ची के साथ हुई घटना की आयोग गंभीरता से स्टडी करेगा। आयोग स्कूलों में बच्चों की मानसिकता और उनके व्यवहार को समझने के लिए एक विशेष सिस्टम विकसित करने की सिफारिश सरकार से करेगा। इसके तहत बच्चों के व्यवहार का समय रहते आकलन किया जा सकेगा।

7 दिन में रिपोर्ट देगी जांच कमेटी : ढांडा

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि उन्होंने घटना का वीडियो देखा, जिसे पूरा देख पाना भी मुश्किल है। मामले की जांच के लिए मुख्यालय स्तर पर कमेटी बनाई गई है। अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। इस समिति में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पुलिस आयुक्त द्वारा नामित पुलिस अधिकारी तथा एक विशेष शिक्षक या बाल मनोवैज्ञानिक को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति को 7 दिन के अंदर स्कूल में सुरक्षा व घटनाक्रम को लेकर विस्तृत रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीजीआई चंडीगढ़ में उपचाराधीन बच्चे के इलाज का सारा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी और परिवार की सहायता के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नियुक्त किया गया है। ढांडा के निर्देशों के तहत, शिक्षा विभाग अब पंचकूला सहित पूरे हरियाणा राज्य के विद्यालयों में सुरक्षा का एक व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराएगा ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

स्कूल की लापरवाही आई सामने : डीसीपी

डीसीपी अदिति सिंह ने कहा कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज कर दिया गया है। बाकी सभी स्कूलों को लेकर भी एडवाइजरी जारी की जा रही है। जेजे एक्स व बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया है। प्राथमिक जांच में स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आने के बाद में यह फैसला लिया है।

---

6 साल बाद हत्या के मामले में बड़ा खुलासा

अधजली लाश का डीएनए मिसमैच, हत्या के आरोप में चार गए थे जेल

- अनजान लाश की परिजनों ने लापता बेटे के रूप में की थी पहचान, अब बड़ा सवाल- आखिर किसका था शव?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला कैंट के बोह गांव से जनवरी 2020 में लापता हुए स्वर्णजीत सिंह के मामले में नया मोड़ आया है। लापता होने के तीन दिन बाद पुलिस को एक अधजली लाश मिली थी। परिवार ने लाश की पहचान स्वर्णजीत सिंह के रूप में की थी। इसके बाद हत्या के मामले में चार लोगों को आरोपी बनाया गया। लाश का डीएनए स्वर्णजीत के पिता और मां, दोनों से मैच नहीं हुआ है। इससे लाश की पहचान पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस लाश का परिवार ने स्वर्णजीत सिंह समझकर अंतिम संस्कार कर दिया, वह किसकी थी? डीएनए रिपोर्ट सामने आने के बाद अब आरोपियों को अदालत से राहत मिलने की संभावना है।

पुलिस में दर्ज केस के मुताबिक बोह गांव का 40 वर्षीय स्वर्णजीत सिंह गाड़ी चलाने का काम करता था। 27 जनवरी 2020 को वह दोपहर करीब 12:30 बजे अपनी टाटा जेस्ट कार लेकर घर से निकला था। इसके बाद 31 जनवरी 2020 को महेश नगर थाने में केस दर्ज किया गया। पुलिस को 30 जनवरी 2020 को एक अधजली लाश मिली थी। परिवार को बुलाकर लाश की पहचान कराई गई। परिजनों ने उसे स्वर्णजीत सिंह का शव बताया। इसके बाद पुलिस ने हत्या के मामले में चार लोगों को आरोपी बनाया। पुलिस ने लाश और स्वर्णजीत के पिता के डीएनए सैंपल जांच के लिए मधुबन स्थित एफएसएल भेजे थे। रिपोर्ट में दोनों के डीएनए मैच नहीं हुए। कोर्ट के आदेश के बाद 2025 में मां का सैंपल भी लिया गया। अब आई रिपोर्ट में मां और लाश का डीएनए भी मैच नहीं हुआ है।

एक आरोपी की जेल में हो चुकी मौत

मामले में चार आरोपी बनाए गए थे। इनमें से एक की ट्रायल के दौरान जेल में मौत हो गई थी। आरोपी जरनैल सिंह करीब ढाई साल तक जेल में रहा। उसे हाईकोर्ट से जमानत मिली। अन्य आरोपियों को भी जमानत मिल चुकी है। डीएनए रिपोर्ट के मुताबिक, बरामद लाश का डीएनए स्वर्णजीत के माता-पिता से मेल नहीं खाता। ऐसे में यह पता लगाना जरूरी है कि लाश किसकी थी और स्वर्णजीत सिंह कहां है।

हत्यारे को उम्रकैद, 10 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला एवं सत्र न्यायाधीश संगीता राय सचदेव की अदालत ने गांव बेरली कलां निवासी एक व्यक्ति की हत्या के मामले में उसी गांव के सोनू को उम्रकैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा न करने पर दोषी को 6 महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। गांव बेरली कलां निवासी आरती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 31 मई 2023 की रात्रि को उसका पति महेश और देवर विजय घर के बाहर बैठकर हुक्का पी रहे थे। उसी दौरान गांव निवासी सोनू अत्यधिक शराब के नशे में वहां पहुंचा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। बाद में आरोपी पत्थर लेकर आया और आते ही आरती के सिर पर जोरदार वार कर दिया। महेश बीच-बचाव करने आगे आया तो आरोपी सोनू ने महेश के सिर पर भी पत्थर दे मारा। उपचार के दौरान महेश की मृत्यु हो गई।

ढाबे पर काम कर रहे 15 वर्षीय बच्चे की करंट से मौत

पानीपत (हरिभूमि न्यूज)। पानीपत के गांव भैंसवाल मोड़ स्थित दरबार ढाबे पर काम कर रहे 15 वर्षीय रूपेश निवासी मोतीराम कॉलोनी, नूरवाला की फ्रिज में आ रहे करंट के कारण मौत हो गई। रूपेश का भाई ऋतिक भी इसी ढाबा पर काम करता है। इधर, पुलिस ने रूपेश के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, ढाबे पर छोटे बच्चे से काम करवाने पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

रिश्वतखोर जेई को चार साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम के ठेकेदार से रिश्वत लेने के मामले में कोर्ट ने तत्कालीन जूनियर इंजीनियर टेकचंद को दोषी ठहराया है। एडिशनल सेशन जज अशोक कुमार की कोर्ट ने आरोपी को चार साल की जेल और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जेई ने ठेकेदार का बिल पास करने के लिए दो बार रिश्वत की मांग की थी। विजिलेंस टीम ने दूसरी बार 14 हजार रुपये लेते हुए उसे रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।

शिकायतकर्ता राहुल ठेकेदार ने बताया था कि मई 2019 में उसे सेक्टर-8 में पुरानी पानी की टंकी तोड़ने का ठेका मिला था। काम पूरा होने के बाद भुगतान के लिए बिल तैयार होना था। इसके लिए मेजरमेंट बुक (एमबी) पूरी करना जरूरी था। आरोप था कि टेकचंद ने एमबी पूरी करने के बदले ठेकेदार से 14 हजार रुपये रिश्वत ली थी। एमबी पूरी होने के बाद जब ठेकेदार का बिल तैयार हुआ तो जेई ने फाइल पर साइन करने के बदले फिर से 14 हजार रुपये मांगे। इसकी शिकायत मिलने के बाद 19 मई 2020 को विजिलेंस टीम ने कार्रवाई की।

नशा तस्करी के 11 आरोपियों की 1.94 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 11 आरोपियों की करीब 1 करोड़ 94 लाख 32 हजार रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज किया गया है। डीएसपी जयसिंह ने बताया कि फ्रीज की गई संपत्तियों में रिहायशी मकान, स्कॉर्पियो व अन्य चार पहिया वाहन, मोटरसाइकिल, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी शामिल हैं। वर्ष 2026 में 1 जनवरी से अब तक जिले में एनडीपीएस मामलों के तहत 1063 लोगों को काबू किया गया है। इस दौरान कुल 43 आरोपियों की 7 करोड़ 19 लाख 30 हजार 499 रुपये मूल्य की संपत्ति फ्रीज कराई जा चुकी है। डीएसपी ने बताया कि थाना जाखल में दर्ज मामले के तहत बाजीगर बस्ती जाखल निवासी रवि की 70 हजार रुपये अनुमानित मूल्य की मोटरसाइकिल, गुलजार पुत्र बलविंद्र सिंह निवासी बाजीगर बस्ती, जाखल की एक लाख की बुलेट, पनवीर सिंह उर्फ पन्नू निवासी गांव म्योंद, जाखल का 30 लाख रुपये मूल्य का रिहायशी मकान, छिंदर सिंह उर्फ जानकी निवासी गुरुनानकपुरा, फतेहाबाद की करीब 40 लाख कीमत की स्कॉर्पियो और सोने के आभूषण फ्रीज किए गए हैं। स्वर्णो बाई निवासी गांव पीरांवाली, हिसार की फतेहाबाद के भीमा बस्ती स्थित 30 लाख रुपये मूल्य का रिहायशी मकान तथा जगसीर सिंह उर्फ पोपली निवासी गांव सुखलमपुर, रतिया की 2 लाख रुपये मूल्य की कार को फ्रीज किया गया है।

इन पर हुई कार्रवाई

जमालपुर शेखां निवासी अंकुश की 60 हजार की मोटरसाइकिल, राजो बाई निवासी गुरुनानकपुरा, फतेहाबाद की 18.79 ग्राम सोना, 365.17 ग्राम चांदी, 1.68 लाख रुपये नकद और रिहायशी मकान समेत कुल 20.40 लाख की संपत्ति, छिंदर सिंह निवासी गुरुनानकपुरा, फतेहाबाद की 5 लाख की स्कॉर्पियो, राज उर्फ राजू निवासी किला मोहल्ला, टोहाना का 50 लाख का मकान, राहुल निवासी दरियापुर की रिहायशी भूमि और मोटरसाइकिल समेत 14 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति पर कार्रवाई हुई है।

पुलिस पर फायरिंग का आरोपी काबू

पलवल। होडल थाना पुलिस ने गोकशी और पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने के मामले में फरार चल रहे मुबीन उर्फ मुब्बी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जिला पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, एसपी दीप्ति गर्ग के मार्गदर्शन में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि 2 अक्टूबर को एवीटी स्टाफ हथीन के तत्कालीन प्रभारी तेजपाल की टीम को सूचना मिली थी। सूचना के मुताबिक, गुलाब, आसिफ उर्फ गूंगा और काला गोकशी और अवैध हथियार रखने में शामिल थे। वे चोरी की गायों को गोकशी के लिए जिला नूंह के सिंगार गांव निवासी मुबीन उर्फ मुब्बी के पास पहुंचाते थे। पुलिस ने होडल-पुन्हाना रोड पर कोटड़ा के पास घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आसिफ पैर में गोली लगने के बाद उसे पकड़ा गया। अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन पहलवान मनीषा के गांव सिवाहा में जश्न

पिता की फोटो टीशर्ट पर बनवाकर उनका सपना पूरा करने कुश्ती में उतरी थी मनीषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

विश्व चैंपियनशिप में सिवाहा की पहलवान मनीषा भनवाला ने

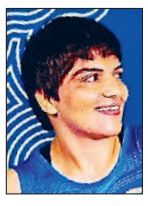

पहली बार गोल्ड मेडल जीत कर भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। मनीषा की इस जीत पर गांव सिवाहा में खुशी का माहौल है। मनीषा विश्व चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं। मनीषा ने महिलाओं के 59 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल मुकाबले में अमेरिका की पहलवान एबिगेल नेट को 8-6 से मात देकर गोल्ड अपने नाम किया।

मां ने मनीषा के हर पुरस्कार को घर में संभाल कर रखा



मां मीना देवी ने कहा कि उसकी बेटी मनीषा ने बहुत संघर्ष किया है। खेल के लिए वह घर की किसी शादी में नहीं आई और न ज्यादातर त्योहार साथ मनाए। मां ने बचपन से लेकर अभी तक रिंकू व मनीषा द्वारा खेलों में जो भी इनाम जीते हैं, वह संभाल कर रखे हुए हैं। उनका कहना है कि जब उसके पोता व पोती बड़े होंगे तो वह उन्हें दिखाएगी कि उनके पिता और बुआ ने क्या-क्या इनाम जीते हैं। उसके छठी क्लास में दौड़ में मिले कॉपी पेन भी संभालकर रखे हुए हैं। इसके अलावा जब मनीषा दूसरे देश में खेलने जाती है तो वहां की कुछ करंसी भी साथ लेकर आती है। अलग-अलग देशों के करंसी के सिक्के भी संभाल कर रखे हुए हैं। मनीषा की भाभी ममता भी कुश्ती खिलाड़ी हैं और वह दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग में टीए के पद पर कार्यरत हैं। मनीषा को चूरमा और उसके भाभी के हाथों की चटनी व कढ़ी चावल बहुत पसंद है।

मनीषा के विश्व कुश्ती चैंपियन में गोल्ड जीतने पर भाई व कबड्डी खिलाड़ी रिंकू ने कहा कि मनीषा के गोल्ड जीतने पर ऐसा लगता है कि उनके पिता सुरेश फिर से जिंदा हो गए हैं। उनके पिता ने बेटी को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए पहले निडानी स्पोर्ट्स एकेडमी भेजा। इसके बाद रोहतक के छोटू राम स्टेडियम में अभ्यास शुरू किया। एशियन गेम्स में वह हार गई थी। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में उसने रिकवरी की और गोल्ड जीता। मनीषा पिता की बहुत लाडली थी। पिता सुरेश का 2022 में देहांत हो गया था। उनका सपना था कि बेटी देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर आए।

जब मनीषा विश्व चैंपियनशिप में खेलने गई थी तो उनके पिता की फोटो टीशर्ट पर बनवाई थी। जब वह जीतेगी तो वह टी शर्ट पहनकर दिखाएगी, जिस पर उसके पिता की फोटो लगी हुई है।



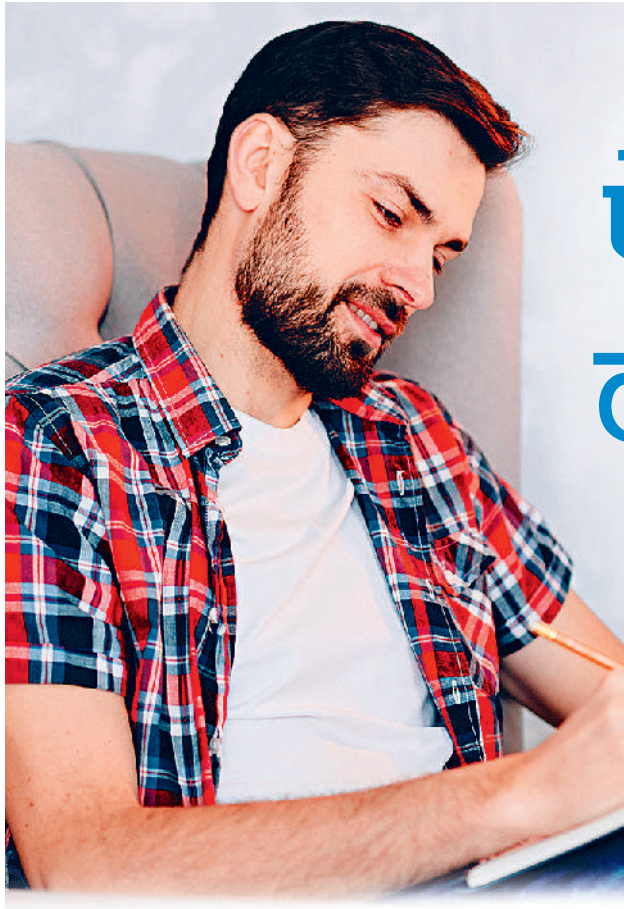

खाली वक्त न करें बर्बाद

ऐसे करें सदुपयोग लाइफ बनाएं हैप्पी

हालांकि आज के दौर में लोगों के पास खाली समय यानी स्पेयर टाइम बहुत कम ही बचता है। लेकिन जब भी ऐसा टाइम मिलता है तो लोग उसे अधिकतर वेस्ट ही कर देते हैं। अगर आप इस टाइम का सही तरीके से उपयोग करना सीख जाएं तो आपकी लाइफ हेल्दी-हैप्पी बन जाएगी। आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे बेहतर तरीके से यूज कर सकते हैं, यहां दे रहे हैं आपके लिए बहुत उपयोगी सजेशंस।

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

वर्तमान डिजिटलाइजेशन के दौर में कहने को किसी भी व्यक्ति के पास खाली समय नहीं होता है। हर कोई हमेशा व्यस्त दिखता है। व्यस्तता के बीच जब कभी खाली समय मिलता भी है तो अधिकतर व्यक्तियों को समझ ही नहीं आता कि वे अपने इस समय का किस तरह सही उपयोग करें? इसीलिए जैसे ही थोड़ा खाली समय मिलता है, मोबाइल हाथ में आ जाता है। रील्स स्क्रॉलिंग शुरू हो जाती है। इसके बादएक वीडियो, दूसरा, तीसरा वीडियो और देखते-देखते दिन के कई घंटे खर्च हो जाते हैं और पता ही नहीं चलता। फिर रात में सोते समय जब दिन भर के कामों को याद करते हैं तो वही पछतावा होता है, आज भी कुछ खास नहीं कर पाए। सारा दिन कैसे बीत जाता है पता ही नहीं चलता।

खाली समय है इंपॉर्टेंट: आप कितना भी व्यस्त रहें, दिन में कुछ खाली समय यानी स्पेयर टाइम तो बचता ही है। वर्किंग टाइम के सही उपयोग के साथ ही यह बात भी बहुत मायने रखती है और व्यक्ति का भविष्य, उसकी खुशहाली इस बात से तय होती है कि वह अपने खाली समय में क्या करता है? यानी अपने स्पेयर टाइम का वह कैसे यूटिलाइज करता है? जब व्यक्ति के पास थोड़ा भी खाली समय होता है तो वह बहुत मूल्यवान होता है, क्योंकि खाली समय ही इंसान को मजबूत बना सकता है या अंदर ही अंदर उसे खोखला कर सकता है। दोनों स्थितियां ही इस बात पर निर्भर करती हैं कि आप अपने स्पेयर टाइम को कैसे उपयोग करते हैं? खुशहाल जीवन जीने के लिए जरूरी है कि व्यस्त दिनचर्या के बावजूद मिलने वाले अपने खाली समय का यथासंभव बेहतर, सकारात्मक और रचनात्मक इस्तेमाल करें।

दिमाग को शांत करना सीखें: आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में अकसर इंसान को खुद नहीं पता होता कि वह आखिर भाग कहां रहा है? उसे पहुंचना कहां है? आंख खुलते ही मोबाइल पर नोटिफिकेशन चेक करने से शुरू होकर दिन-रात की भाग-दौड़ और तमाम तरह के काम। इसके चलते इंसान अपने अंदर की आवाज तक नहीं सुन पाता और पूरा दिन यूं ही गुजार देता है। लेकिन समझदार इंसान व्यस्त दिनचर्या के बावजूद कुछ समय निकालकर अंतर्मन की आवाज जरूर सुनता है। यही वो समय होता है, जब इंसान खुद को समझना शुरू करता है। उसे पता चलता है कि वह सच में चाहता क्या है? उसकी कमजोरी क्या है? उसकी असली ताकत क्या है? जो इंसान खुद को समझ जाता है, उसकी जिंदगी सहज और ज्यादा खुशहाल होती है। इसलिए हर व्यक्ति को खाली समय में कुछ देर खुद के साथ बैठना या कहें कि मी-टाइम बिताना चाहिए। शांत बैठकर अपने मन में झांकना चाहिए और उलझनों पर गौर कर उनका समाधान ढूंढ़ना चाहिए। शुरुआत में अजीब लगेगा, बेचैनी होगी, लेकिन धीरे-धीरे निश्चय ही आपका आत्मविश्वास जागेगा।

लक्ष्यों को बार-बार याद करें: अधिकतर लोगों की मेहनत इसलिए सफल नहीं हो पाती क्योंकि उनका लक्ष्य दिमाग में स्पष्ट नहीं होता है। सफल होने के लिए मन में बार-बार लक्ष्य को याद करना भी जरूरी होता है। इसलिए खाली समय को बर्बाद करने के बजाय शांत बैठकर यह सोचना चाहिए कि आप जिंदगी में असल में चाहते क्या हैं, यानी आपका लक्ष्य क्या है? जब तक इंसान को अपनी मंजिल साफ नहीं दिखती, तब तक उसका दिमाग छोटी-छोटी बातों से भटक जाता है। इसलिए अपने लक्ष्य को मन में याद करना जरूरी है। रोज खुद को याद दिलाएं कि आप क्या करना चाहते हैं? कोई काम करना आपने क्यों शुरू किया था? इससे आपको आत्मबल और प्रेरणा मिलेगी। इससे आपके सफल होने की संभावना बहुत बढ़ जाएगी।







सीखें कोई स्पेशल स्किल: आज की दुनिया में सिर्फ मेहनती होना काफी नहीं हैं। आपमें कोई ऐसी स्पेशल स्किल भी होनी चाहिए, जो दूसरों से आपको अलग करे, जिसकी मार्केट में वैल्यू हो, डिमांड हो। लेकिन ज्यादातर लोग कोई स्किल सीखने के बजाय खाली समय यूं ही वेस्ट करते रहते हैं। उन्हें लगता है अभी तो बहुत उम्र पड़ी है, बाद में सीख लेंगे। यही सोच इंसान को असफल बना देती है।

अगर व्यक्ति हर दिन सिर्फ एक घंटा भी किसी स्किल को सीखने में खर्च करे तो एक-डेढ़ साल में ही वह वहां पहुंच सकता है, जहां पहुंचने के लोग सिर्फ सपने देखते हैं। अपनी पसंद और क्षमता के हिसाब से आप एआई हैंडलिंग, कम्युनिकेशन, वीडियो एडिटिंग, नई भाषा, क्रिएटिव राइटिंग, पब्लिक स्पीकिंग या फिर कोई और मनपसंद स्किल सीख सकते हैं। इसकी बदौलत आप भविष्य में शानदार कामयाबी पा सकते हैं।

रिश्तों को बनाएं मजबूत: यह नहीं भूलना चाहिए कि एक कामयाब व्यक्ति सिर्फ पैसा ही नहीं कमाता है, दूसरों का भरोसा भी कमाता है। वह सिर्फ अपने सपनों पर काम नहीं करता, अपने रिश्तों को भी मजबूत बनाता है। आखिर में जिंदगी की सबसे बड़ी दौलत बैंक बैलेंस नहीं, वे लोग होते हैं, जो हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहते हैं। आज के डिजिटलाइजेशन के दौर में बेशक हम दुनिया से जुड़े हुए दिखते हैं। लेकिन सच यह है कि हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं। आभासी दुनिया में बेशुमार लोगों की पोस्ट देखते हैं, लेकिन महीनों तक अपने माता-पिता, भाई-बहन या किसी सच्चे दोस्त के साथ बैठकर दो बातें नहीं करते। जब जिंदगी में मुश्किलें आती हैं तो पैसा नहीं सबसे पहले अपने लोग काम आते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि खाली समय में आप अपने रिलेटिव्स, फ्रेंड्स के साथ समय बिताएं। उनके दुख-सुख साझा करें, अपने मन की बात करें। हमेशा याद रखें कि रिश्ते पौधों की तरह होते हैं, अगर उन्हें समय पर पानी, खाद, धूप, छांव और प्रॉपर केयर नहीं मिलती, तो वो धीरे-धीरे सूखने लगते हैं और एक दिन इंसान सब कुछ हासिल करके भी अकेला रह जाता है। इसलिए खाली समय का सबसे बेहतर सदुपयोग अपने रिश्तों में गर्माहट लाने में किया जा सकता है।

स्वास्थ्य पर ध्यान दें: आज के दौर में लोग शारीरिक और मानसिक रूप से इसलिए बीमार रहते हैं क्योंकि उनकी जीवनशैली बहुत अस्त- व्यस्त हो चुकी है। रात भर जागना, घंटों मोबाइल देखना, कोई एक्सरसाइज न करना, कई घंटे बैठे रहना। इससे तन ही नहीं मन भी सुस्त और बीमार रहने लगता है। जब तन-मन स्वस्थ फिट महसूस करता है तो उसमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके लिए बड़ा एथलीट बनने की नहीं, रोज अपने शरीर को थोड़ा एक्टिव रखने की जरूरत होती है। जब भी खाली समय मिले, अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार वॉकिंग, दौड़ना, एक्सरसाइज, योग या सुबह की धूप में कुछ देर रहना फायदेमंद है। स्पेयर टाइम में की गई आपकी ये एक्टिविटीज आपको हेल्दी ही नहीं हैप्पी भी बनाएंगी। *

उम्र कितनी भी हो जाए आप हेल्दी, एक्टिव और एनर्जेटिक रह सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी सोच और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। कई स्टडीज के आधार पर बता रहे हैं, बढ़ती उम्र में कैसी हो आपकी लाइफस्टाइल, जानिए



बढ़ती उम्र में भी रहेंगे हेल्दी-एक्टिव-एनर्जेटिक

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

उम्र का बढ़ना प्रकृति का शाश्वत नियम है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जीवन जीने की खुशियां कम नहीं होनी चाहिए। किसी ने क्या खूब कहा है- वक्त की हर एक करवट को मुस्कुरा कर पार कर। उम्र ढलती है तो ढल जाए, तू दिल से प्यार कर। बालों की सफेदी, चेहरे की झुर्रियां और बढ़ती उम्र की गिनती, भले समय के गुजरने का संकेत दें, लेकिन मन का उत्साह, सीखने की ललक, प्रेम करने की क्षमता और सपने देखने का अधिकार, उम्र के मोहताज नहीं होते हैं। असली चुनौती अधिक वर्ष जीने की नहीं, बल्कि उन वर्षों को बेहतर ढंग से जीने की होती है।

शरीर बना रहे सक्रिय: सेवानिवृत्ति या उम्र बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि शरीर को आराम कुर्सी सौंपकर स्वयं जीवन से छुट्टी ले ली जाए। नियमित पैदल चलना, अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, हल्की शक्ति-वर्धक गतिविधियां और संतुलन के अभ्यास शरीर को चुस्त रखने में सहायक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वृद्धावस्था में शारीरिक सक्रियता को स्वस्थ जीवन का महत्त्वपूर्ण आधार मानता है। 2025 में द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में 13 वर्षों तक किए गए एक अध्ययन के आधार पर प्रकाशित रिपोर्ट में 11,804 वृद्ध प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक गतिविधि, संतुलित जीवनशैली और अनुकूल सामाजिक परिस्थितियों का जीवन की अवधि से संबंध पाया गया। इसलिए उम्र के अनुसार चलना, सीढ़ियां चढ़ना, बागवानी करना या योगाभ्यास करना लाभकारी हो सकता है।

लगातार सीखते रहिए: नई भाषा सीखना, संगीत का अभ्यास करना, मोबाइल की नई सुविधाएं समझना, चित्रकारी करना या किसी विषय पर पढ़ना



मस्तिष्क को सक्रिय रखने के प्रभावी तरीके हैं। सीखने का उद्देश्य जीवन में नवीनता और जिज्ञासा बनाए रखना होता है। याद रखिए, सीखने में संकोच, उम्र को बोझ बनाता है, जबकि जिज्ञासा उसे रोमांचक बना देती है।

रिश्तों में बनी रहे गर्माहट: पैसा, पद और प्रतिष्ठा जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन अकेलेपन को हमेशा दूर नहीं कर सकते। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में किए गए स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट, कई दशकों से लोगों के जीवन और खुशहाली का अध्ययन करता रहा है। इसके निष्कर्षों पर आधारित रॉबर्ट वाल्डिंगर और मार्क शुल्ज की बेस्टसेलर पुस्तक 'द गुड लाइफ' बताती है कि अच्छे संबंध सुखी और स्वस्थ जीवन के महत्त्वपूर्ण आधारों में शामिल हैं। इसलिए बच्चों से बात कीजिए, मित्रों-रिश्तेदारों से मिलिए, जीवनसाथी के साथ चाय पीते हुए बातें कीजिए और पड़ोसियों से आत्मीयता बनाए रखिए। इससे रिश्तों में गर्माहट बनी रहेगी।

अनुभवों से उठाएं लाभ: जीवन के उत्तरार्द्ध में आपके पास अनुभवों का वह खजाना होता है, जिसे कोई विद्यालय या विश्वविद्यालय नहीं दे सकता। अपने पेशे में नए लोगों का मार्गदर्शन कीजिए, बच्चों को कहानियां सुनाइए, अपने अनुभव लिखिए या किसी सामाजिक संस्था से जुड़िए। मनोविज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार सीखते रहने से व्यक्ति के भीतर जीवन के प्रति रुचि बनी रहती है।

नियमित कराएं स्वास्थ्य जांच: उम्र बढ़ने पर स्वास्थ्य की देखभाल केवल बीमारी होने पर अस्पताल जाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद, नियमित स्वास्थ्य-जांच और डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेना जरूरी है। भोजन में सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज,



पर्याप्त प्रोटीन और उपयुक्त मात्रा में पानी शामिल करें। नमक, अतिरिक्त चीनी और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित रखें।

उम्र की तुलना न करें: कोई सत्तर वर्ष की उम्र में पहाड़ चढ़ रहा है, कोई साठ वर्ष में नई नौकरी शुरू कर रहा है और कोई अस्सी वर्ष में केवल अपने बगीचे की देखभाल करके संतुष्ट है। हर व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, परिस्थितियां, आर्थिक स्थिति और रुचियां अलग हैं। इसलिए दूसरे की सक्रियता को देखकर स्वयं को असफल न मानें। यदि पहले आप एक किलोमीटर चलते थे और अब पांच सौ मीटर चल पाते हैं, तो अपनी वर्तमान क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कीजिए। आवश्यकता पड़ने पर लक्ष्य बदलना हार नहीं, समझदारी है।

जीवन में बनाए रखें उत्सवधर्मिता: त्योहार मनाने, अच्छे कपड़े पहनने, मित्रों को घर बुलाने, संगीत सुनने, धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेने और हंसी-मजाक करने के लिए किसी खास उम्र की जरूरत नहीं होती। अपनी रुचि के अनुसार प्रार्थना, ध्यान, प्रकृति के बीच समय बिताना या सेवा-कार्य अपनाइए। हास्य जीवन की कठिनाइयों से निपटने की हमारी क्षमता को सहारा दे सकता है। स्वयं की छोटी-मोटी भूलों पर मुस्कराना सीखिए। बच्चों और युवाओं के साथ समय बिताइए। *



गजल
अब्दुल कलाम

तबाह की हमने

कैसे कैसों से निबाह की हमने
रातें पुरनम की सियाह की हमने
एक पत्थर से दिल लगाया
जिंदगी अपनी तबाह की हमने
आलम ए बेहोशी का दौर रहा
उनके रुख जो निगाह की हमने
उनके सितम सर-आंखों पे लिए
जिनसे रस्म ओ राह की हमने
उसने कांधों पे जब भी हाथ रखा
फिर न जहां की परवाह की हमने
जख्म नासूर बनकर रिसते रहे
कसम खुदा की न आह की हमने

व्यंग्य
डॉ. मुकेश 'असीमित'

दीवाली ऑफर!

दीवाली नजदीक आ गई है। इसका पता मुझे कैलेंडर देखकर नहीं, बल्कि तब चला, जब बाजार बिन बुलाए मेहमान की तरह मेरे दरवाजे पर दस्तक देने लगा। नून-तेल से लेकर कंघी बेचने वाली कंपनियां मेरी दीवाली यादगार बनाने के लिए मुझ पर सवार हो रही हैं। कोई एक पर एक फ्री दे रहा है, कोई एक पर दो। मेरी जेब की हालत-ए-सूरत समझकर कोई लोन देने को तैयार है, कोई ईएमआई की सुविधा दे रहा है। क्रेडिट कार्ड से भुगतान करूं तो अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। इतनी निःस्वार्थ सेवा देखकर लगता है, देश में परोपकार अभी जीवित है।



कोई कंपनी नकली मावे और यूरिया युक्त मिठाइयों से मेरा मुंह मीठा कराना चाहती है। कोई मेरे फटे जूते बदलने को आतुर है, तो कोई मुझे नए कपड़े पहनाना चाहती है। मेरी इतनी फिक्र तो बचपन में मां ने भी नहीं की और शादी के बाद पत्नी ने भी नहीं।

हद तो तब हो गई, जब एक कंपनी ने मेरी ओर से खुद ही ऑर्डर दे दिया। एक रोज अचानक फोन आया, 'सर, आपका ग्यारह सौ रुपए का पार्सल है। कहां डिलीवर करना है?'

मैंने पूछा, 'मैंने क्या मंगवाया है?'

'सर, जूते लग रहे हैं।' उसने जवाब दिया।

मैंने पत्नी से पूछा, 'तुमने जूते मंगवाए क्या?'

वे भड़क गईं, 'पागल हो गए हो? अभी पुराने जूते इतने भी पुराने नहीं हुए। दीवाली के बाद आफ्टर सेल लगेगी, तब देखेंगे। जरूर तुमने खुद मंगवाए होंगे। मुझे बुद्धू बना रहे हो!'

मैं चुपचाप खिसक लिया। सोचने लगा, जिन जूतों के लिए पत्नी दो दीवाली से मुझे टरका रही है, उनकी चिंता किसी अनजान कंपनी को है! आखिर उसे पता कैसे चला कि मेरे जूते फट गए हैं?

श्रीमती जी का तर्क है कि मुझे नई-पुरानी चीजों में अंतर समझ नहीं आता, इसलिए मेरे लिए कुछ बदलने का लाभ नहीं। बात सही है। जब पति का पच्चीस साल पुराना मॉडल बिना बदले चल रहा है, तो जूतों को बदलने की क्या आवश्यकता? बेचारी पत्नी भी क्या करे! बाजार में कपड़ों, जूतों और मोबाइल के एक्सचेंज ऑफर हैं, पति के नहीं। इस मामले में कंपनियां भी हाथ खड़े कर चुकी हैं।

खैर, मुझे लगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता इतनी विकसित हो गई है कि कंपनियां ग्राहक की जरूरत उससे पहले जान लेती हैं। ऊपर से कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा! पहले सामान पकड़िए, फिर पैसे दीजिए। विश्वास की इससे बड़ी मिसाल क्या होगी? मैंने ग्यारह सौ रुपए चुकाए और पैकेट लेकर मुस्कुराता पत्नी के सामने पहुंचा, 'देखो, जिन जूतों के लिए तुमसे दो साल गुहार लगाई, वह कंपनी ने सुन ली!' पत्नी कभी मुझे देखतीं, कभी पैकेट को। मैंने गर्व से पैकेट खोला। अंदर एक जूता था। सिर्फ एक! वह भी दाएं पैर का। पत्नी चिल्लाईं, 'हे भगवान! दूसरा कहां है?' मैंने जूते को गौर से देखा। उसकी हालत ऐसी थी, मानो किसी मंदिर के बाहर से उठाकर भेज दिया गया हो।

अब संभावनाएं अनेक थीं। शायद कंपनी समझती हो कि मेरा बायां पैर नहीं है। संभव है, दूसरा जूता अभी निर्माणाधीन हो। हो सकता है, किसी दूसरे ग्राहक को भेज दिया गया हो। यह भी संभव है कि डिलीवरी बॉय को दूसरा जूता पसंद आ गया हो।

फिर विचार आया, कहीं कंपनी ने जूता पहनने के बजाय चलाने के लिए तो नहीं भेजा? या जूते खाने के लिए? मन आशंकाओं का कारखाना है, उत्पादन कभी बंद नहीं होता। बिल पर दिए नंबर पर फोन लगाया। व्यस्त मिला। अच्छी कंपनियों के फोन व्यस्त ही रहते हैं। आखिर मेरे जैसे हजारों ग्राहकों की सेवा का भार जो है! अब तीन दिन से फोन मिला रहा हूं। कंपनी शायद दूसरे ग्राहकों की दीवाली यादगार बनाने में व्यस्त है। मैं आशावादी आदमी हूं। उम्मीद है, अगली दीवाली तक दूसरा जूता भी आ जाएगा। तब तक पहला सुरक्षित रखूंगा।

इधर दूसरी कंपनियां भी पीछे पड़ी हैं। कोई घड़ी भेजना चाहती है, कोई परफ्यूम, कोई हेयर ड्रायर। मैं साहित्यिक पत्रिका के संपादक की तरह सबके प्रस्ताव खेद सहित अस्वीकार कर रहा हूं। उनके प्रेम को ठुकराते हुए दुःख अवश्य होता है। लेकिन जिस कंपनी ने सबसे पहले मुझसे प्रेम किया, उसे जीवन भर नहीं भूलूंगा। आखिर पहला प्यार, पहला ही होता है जी! बस फर्क इतना है कि इस प्रेम में दिल नहीं, दाएं पैर का जूता मिला है। *

लघुकथाा / कृति आर. के. जैन

अपूर्ण विराम

नगर निगम का बुलडोजर ठीक आठ बजे पहुंचा। भीड़ तमाशा देखने खड़ी थी, पर एक बूढ़ा आदमी अपनी किताबों की जर्जर दुकान के सामने निर्विकार बैठा था। अधिकारी ने कहा, 'बाबा, हट जाइए। आधे घंटे में सब मलबा हो जाएगा।'



एआई इमेज

बूढ़ा मुस्कुराया, 'चालीस साल पहले भी यहां मलबा था, तब मैंने ईंटें नहीं, किताबें रखी थीं।'

बुलडोजर गरजा। लकड़ी की अलमारियां बिखर गईं। धूल का गुबार उठा। लोग मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगे। तभी पास से एक छोटी बच्ची दौड़ती हुई आई। उसके हाथ में धूल से सनी एक कहानी की किताब थी। उसने कांपती आवाज में पूछा, 'दादाजी, यह दुकान फिर खुलेगी न? मैंने अभी यह किताब पूरी नहीं पढ़ी।'

बूढ़े ने किताब ली। उस पर जमी धूल धीरे-धीरे फूंककर हटाई, जैसे किसी बच्चे के माथे से उदासी हटा रहा हो। फिर बोला, 'दुकानें टूटती हैं बिटिया, कहानियां नहीं।' अगली सुबह उसी टूटी हुई जगह पर एक पुरानी चादर बिछी थी। उस पर वही किताबें फिर सजी थीं और सबसे ऊपर एक कागज रखा था, जिस पर लिखा था, 'कल दीवारें गिर गई थीं, आज हिम्मत ने फिर दुकान खोल ली है।' उस दिन लोगों ने वहां से किताबें कम खरीदीं, उम्मीदें ज्यादा ले गए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जगजीत सिंह की जीवनी

गजल गायकी के सम्राट कहे जाने वाले जगजीत सिंह ने देश ही नहीं पूरी दुनिया में भरपूर मकबूलियत हासिल की। लेकिन अपनी आवाज से लाखों-करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले जगजीत का जीवन नाम-शोहरत की चकाचौंध के साथ ही कई चुनौतियों और दुखों से भी भरा रहा। उनके जीवन के तमाम स्याह और चमकदार पक्षों को सामने लाती है, हाल में छपकर आई किताब 'जगजीत (जिंदगी का सफर)', जिसके लेखक हैं वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप कुमार शुक्ला। कुल दस अध्यायों में विभाजित इस किताब में उनके जन्म से लेकर अंतिम सांस लेने तक के जिंदगी के सफर को संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कैसे वे शुरुआती दौर में डांस किया करते थे, किस तरह गायन के क्षेत्र में पदार्पण किया, कैसे गजल गायकी में आगाज किया, किस तरह संयोग से चित्रा दत्ता से मुलाकात हुई, फिर कैसे वे जगजीत की जीवन और गायन संगिनी बनीं? ऐसे ही जगजीत सिंह के जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं को लेखक ने इस किताब में संजोया है। कह सकते हैं यह किताब गीत-संगीत को समर्पित एक सुर साधक की जीवन-साधना को बहुत मार्मिकता से व्यक्त करती है। *



पुस्तक: जगजीत (जिंदगी का सफर),
लेखक: प्रदीप कुमार शुक्ला, **मूल्य:** 245 रुपए,
प्रकाशक: इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा



पिंजरे से पहुंचा स्क्रीन पर डिजिटल चिड़ियाघर

बीते अगस्त माह में इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय में 14 तरह के प्राकृतिक अनुभवों वाला देश का पहला वर्चुअल जू थिएटर शुरू किया गया। आगे भी कई स्थलों पर ऐसे डिजिटल जू शुरू करने की योजना है। क्या है डिजिटल जू का कॉन्सेप्ट, कैसे हुई इसकी शुरुआत, क्या हैं इसके फायदे और क्यों बढ़ रही है इसकी पॉपुलैरिटी, इस बारे में बहुत रोचक जानकारी।

बदलाव
के. पी. सिंह

एक समय तक चिड़ियाघर का मतलब हुआ करता था- लोहे की सलाखों के पीछे शेर, बाघ, भेड़िए, कांच की दीवार के पार सांप और बड़े से बाड़े में घूमते हाथी, जिराफ। लेकिन अब तकनीक उस पुराने जू की परिभाषा को धीरे-धीरे बदल रही है। जानवरों को पिंजरे में लाने की बजाय अब जंगल को दर्शक के सामने लाया जा रहा है। स्क्रीन, 3-डी प्रोजेक्शन, वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी, होलोग्राम और मोशन इफेक्ट्स की मदद से ऐसा अनुभव तैयार किया जा रहा है, जिसमें दर्शक खुद को जंगल के बीच महसूस करते हैं। दो माह पूर्व इंदौर में शुरू हुआ देश का पहला डिजिटल चिड़ियाघर, इस बदलाव का ताजा उदाहरण है। अब यहां दर्शक वन्यजीवों को देखने के साथ-साथ जंगल के बीच में होने जैसा रोमांच भी महसूस कर सकेंगे। जू परिसर में करीब 4-5 करोड़ रुपए की लागत 14-डी वर्चुअल जंगल सफारी और थिएटर तैयार किया गया है, जिसमें दर्शकों को बारिश के दौरान पानी की बूंदें, चेहरे पर हवा के झोंके, कोहरा, बुलबुले, वाइब्रेशन और सीटों की मूवमेंट जैसे इफेक्ट्स स्क्रीन पर चल रहे दृश्यों के साथ महसूस होंगे। जू प्रबंधन का दावा है कि भारत का यह पहला वर्चुअल जू 14-डी थिएटर है।



डिजिटल जू का अर्थः हालांकि अभी 'डिजिटल जू' की पूरी दुनिया में कोई मानक परिभाषा नहीं है। कहीं इसका मतलब पूरी तरह ऑनलाइन वर्चुअल जू होता है, कहीं वर्चुअल रियलिटी अनुभव, कहीं होलोग्राम से बने जानवर, तो कहीं वास्तविक जू में डिजिटल गाइड, ऑगमेंटेड रियालिटी और साथ में 360-डिग्री प्रोजेक्शन।

कई जगह हैं डिजिटल जू : अपने देश में भले ही पहला वर्चुअल जू 14-डी थिएटर इंदौर में शुरू हुआ है, लेकिन इसके अलग-अलग रूप पहले से ही मौजूद हैं जैसे दिल्ली में राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र की डिजिटल वर्ल्ड गैलरी, जिसका उद्घाटन जनवरी 2025 में हुआ था। यहां दर्शक डिजिटल माध्यम से वन्यजीवन को समझ सकते हैं। इसी तरह पटना जू में भी पारंपरिक जानवरों के बाड़ों के साथ 3डी थिएटर शुरू किया गया है। इसमें 3डी डॉक्यूमेंट्री और शैक्षिक फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को बाघ, समुद्री जीवन, हिमालय और संरक्षण से जुड़े अनुभव कराए जाते हैं। हालांकि इसे पूर्ण डिजिटल जू कहना तकनीकी रूप से सही नहीं होगा, लेकिन यह उसी डिजिटल-इमर्सिव जू कल्चर का हिस्सा है।

कर्नाटक में भी हो रहे तैयारः कर्नाटक में ऐसा ही प्रयोग और बड़े स्तर पर आने वाला है। बैंगलुरु के बनेरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क और मैसूर के श्री चामराजेंद्रा जूलोजिकल गार्डेन में इमर्सिव वाइल्डलाइफ रूम्स प्रस्तावित हैं। इनमें 270 से 360 डिग्री प्रोजेक्शन, थीम आधारित ऑडियो और भारतीय जैव-विविधता व संरक्षण पर कार्यक्रम होंगे। साथ ही डिजिटल जू गाइड के जरिए क्यूआर कोड से रास्ता, जानवरों की जानकारी, बहुभाषी ऑडियो, संरक्षण संबंधी सामग्री और एआर सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है।

ऐसे हुई वर्चुअल जू की शुरुआतः साल 1994 में अमेरिकी पशु चिकित्सक केन बोसचेर्ट ने पहला वर्चुअल जू बनाया था, जो मूलतः एक ऑनलाइन माध्यम था, जिसका उद्देश्य लोगों को जानवरों और उनकी देखभाल के बारे में पर्याप्त जानकारी देना था।

कैसा होगा जू का भविष्यः जहां तक चिड़ियाघरों के भविष्य का सवाल है तो यह न तो पूरी तरह से डिजिटल हो सकता है और न ही पूरी तरह से अब प्राकृतिक ही रह सकता है। ज्यादा संभावना इसी बात की है कि अब दोनों एक-दूसरे के पूरक बनेंगे। वास्तविक जू में जीवित जानवर होंगे, लेकिन उनके साथ एआर चश्मा, डिजिटल मैप, लाइव कैमरा, 360-डिग्री फिल्म, एआई आधारित जानकारी और वर्चुअल सफारी भी होगी। इसका अर्थ यह है कि आने वाले समय में बच्चा बाघ को केवल सलाखों के पीछे देखकर नहीं लौटेगा। वह उसी बाघ को उसके जंगल में शिकार करते, पानी पीते और दूसरे जानवरों के साथ व्यवहार करते हुए डिजिटल माध्यम से भी देख सकेगा। *



डिजिटल जू के फायदे-नुकसान

डिजिटल जू का फायदा यह है कि इससे भविष्य में वन्यजीवों को कृत्रिम वातावरण में रहने का दबाव कम रह जाएगा, विशेषकर ऐसे जानवरों को जिन्हें कैद में रखना कठिन या नैतिक रूप से विवादास्पद है। वीआर के जरिए उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में दिखाया जा सकता है। वर्चुअल जू के जरिए बच्चों को इनके बारे में शिक्षा ज्यादा प्रभावी तरह से दी जा सकती है। वर्चुअल जू होने से बच्चों को 3डी, 360-डिग्री वीडियो और वीआर तकनीक के जरिए केवल जानकारी देने के बजाय अनुभव कराने का अवसर भी होगा। इससे वन्यजीवों के संरक्षण का संदेश अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकता है। जहां तक इसके नुकसान की बात है तो इससे हमारा प्रकृति का वास्तविक अनुभव घटेगा। डिजिटल जंगल कितना भी वास्तविक लगे, वह असली जंगल की गंध, तापमान, अनिश्चितता और जीवित प्राणी के व्यवहार की पूरी अनुभूति नहीं दे सकता, साथ ही इससे तकनीक पर हमारी निर्भरता और ज्यादा बढ़ जाएगी। महंगे वर्चुअल रियलिटी उपकरण, स्क्रीन और लगातार तकनीकी रखरखाव की जरूरत पड़ेगी। छोटे शहरों और संस्थानों के लिए यह लागत चुनौती बन सकती है।

सारी दुनिया है सोने की दीवानी

अपने देश के लोगों में तो सोने के प्रति आकर्षण सदियों से रहा है। शादी-ब्याह और दीपावली जैसे पर्वों पर सोने की खरीदारी में जबर्दस्त उछाल आता है। लेकिन बदलती भूराजनीतिक परिस्थितियों और आर्थिक अनिश्चितता की वजह से दुनिया भर के कई देश अपना स्वर्ण भंडार बढ़ा रहे हैं।

ट्रेंड
एन. के. अरोड़ा



सोना न भूख मिटाता है, न प्यास बुझाता है, न गर्मी-सर्दी से बचाता है। फिर भी दुनिया में शायद ही कोई ऐसी सभ्यता रही हो, जिसमें सोने को लेकर दीवानगी न रही हो। किसी के लिए यह प्रेम की निशानी है, किसी के लिए सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक, किसी के लिए पीढ़ियों की जमा-पूंजी और किसी के लिए संकट के समय आखिरी उम्मीद। लेकिन आज सोने के प्रति लोगों का यह आकर्षण केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहा। दुनिया के शक्तिशाली देश भी सोने की चमक से सम्मोहित हैं। फर्क इतना है कि जहां आम आदमी इससे अपनी तिजोरी भरना चाहता है, वहीं विभिन्न देश अपने राष्ट्रीय भंडार।

बढ़ रही सोने की महत्ताः एक ऐसे दौर में जब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल भुगतान, क्रिप्टोकरेंसी और अत्याधुनिक वित्तीय तकनीक भविष्य की अर्थव्यवस्था का चेहरा बदलने का दावा कर रही हैं, ठीक उसी दौर में दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें और केंद्रीय बैंक दुनिया भर से सोना खरीदकर अपना भंडार बढ़ाने में जुटी हैं। सवाल है सोने में आखिर ऐसा क्या है, जो आधुनिक अर्थव्यवस्था की तमाम उपलब्धियों के बावजूद इसकी चमक को फीका नहीं पड़ने देता? आखिर क्या वजह है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सोना एक बार फिर इतनी अहम भूमिका निभाने लगा है? इसका जवाब सोने की सुंदरता से कहीं ज्यादा उस असुरक्षा में छिपा है, जो आज दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था को घेरे हुए है।



सोने से मोह बरकरारः हमारे अपने देश भारत में सोने का रिश्ता किसी आर्थिक सिद्धांत से पहले परिवार और संस्कृति से बनता है। शादी-ब्याह, दीपावली और अक्षय तृतीया जैसे त्योहार, उपहार, विरासत और कठिन समय की बचत, सोना इन सभी के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन देश के आधिकारिक स्वर्ण भंडार और परिवारों की तिजोरियों में जमा सोना दो अलग-अलग आर्थिक वास्तविकताएं हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के उपलब्ध 2026 के आंकड़ों के अनुसार, भारत का आधिकारिक स्वर्ण भंडार लगभग 880.5 टन था। यह भंडार रिजर्व बैंक के लिए विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों के साथ जोखिम बांटने और दीर्घकालिक विश्वास बनाए रखने का एक साधन है। इसके उलट, परिवारों के पास रखा सोना निजी संपत्ति है, जिसका उपयोग शादी, सामाजिक परंपराओं, निवेश और जरूरत के समय धन जुटाने के लिए किया जा सकता है। भारत की चुनौती यह है कि सोने के प्रति सामाजिक आकर्षण और आर्थिक विवेक के बीच संतुलन बना रहे। देश में सोने की मांग का एक हिस्सा आयात से पूरा होता है। इसलिए जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका असर घरेलू बाजार, उपभोक्ताओं के बजट और आयात बिल पर भी पड़ सकता है। जिस धातु को परिवार सुरक्षा मानता है, वहीं बड़े पैमाने पर आयात होने पर देश के बाहरी भुगतान संतुलन के लिए चुनौती भी बन सकती है।

डॉलर बनाम सोनाः द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बनी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अमेरिकी डॉलर ने केंद्रीय भूमिका हासिल की। दुनिया के देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा डॉलर और डॉलर में मूल्यांकित परिसंपत्तियों में रखते रहे। लेकिन जब भू-राजनीतिक तनाव बढ़े, आर्थिक प्रतिबंधों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय दबाव के औजार के रूप में होने लगा और देशों के बीच भरोसा कमजोर हुआ, तो इस व्यवस्था की एक सीमा भी उजागर हुई, किसी दूसरे देश की वित्तीय प्रणाली में रखी संपत्ति पर राजनीतिक परिस्थितियों का असर पड़ सकता है। यही कारण है कि सोना वित्तीय जोखिम और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच एक वैकल्पिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

स्वर्ण-संचय की होड़: विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक साल 2025 में दुनिया के केंद्रीय बैंकों और अन्य आधिकारिक संस्थानों ने कुल मिलाकर लगभग 863 टन सोना अपने भंडार में शुद्ध रूप से जोड़ा। यह लगातार तीन वर्षों तक एक हजार टन से अधिक रही खरीद से कम था, लेकिन 2010-2021 के औसत से काफी ऊपर था। इस दौड़ में पोलैंड खासतौर पर उभरा। उसने 2025 में लगभग 102 टन सोना खरीदा और अपने भंडार को 550 टन तक पहुंचाया। 2026 की दूसरी तिमाही में उसने फिर 51 टन की वृद्धि की, जिससे जून के अंत तक उसका भंडार 632 टन हो गया।

सोने का सम्मोहन शायद इसलिए कभी समाप्त नहीं होगा, क्योंकि मनुष्य और राष्ट्र दोनों भविष्य को लेकर पूरी तरह निश्चिंत नहीं हो सकते। तकनीक बदलती रहेगी, मुद्राएं बदलती रहेंगी और विश्व शक्ति के केंद्र भी खिसकते रहेंगे, लेकिन अनिश्चितता के सामने किसी ठोस, सीमित और टिकाऊ संपत्ति को थाम लेने की इच्छा बनी रहेगी। *

प्राकृतिक धरोहर
पंकज चतुर्वेदी

देश के पश्चिमी घाट के पहाड़ी क्षेत्रों में बारह वर्ष के अंतराल पर खिलने वाले दुर्लभ-मनमोहक पुष्प नीलकुरिंजी, इस बार चार वर्ष पहले ही पुष्पित हो गए हैं। इसकी क्या वजहें हो सकती हैं, ये पुष्प क्यों बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं, विस्तार से जानिए।

चार साल पहले कैसे खिला मनमोहक पुष्प नीलकुरिंजी !



पश्चिमी घाट की धुंध में लिपटी कुद्रेमुख की पहाड़ियां इन दिनों नीले-बैंगनी रंग में रंगी हैं। गंगडिकल्लु, चिट्कलगुड्डु और कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की शोला घासभूमियों में नीलकुरिंजी खिली है और प्रकृति-प्रेमी उसे देखने पहुंच रहे हैं। यह पौधा सामान्यतः बारह वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से खिलता है। इस क्षेत्र में पिछला बड़ा पुष्पन 2018 में दर्ज हुआ था, इसलिए अगले की उम्मीद 2030 के आस-पास थी। फूल चार साल पहले ही आ गए और वनस्पति वैज्ञानिक इसी से हैरान हैं।

यहां खिलते हैं नीलकुरिंजी के फूलः नीलकुरिंजी पश्चिमी घाट की स्थानीय वनस्पति प्रजाति है, यानी प्राकृतिक रूप से दुनिया में और कहीं नहीं मिलती। यह लगभग तेरह सौ से छब्बीस सौ मीटर की ऊंचाई पर शोला घासभूमियों में उगती है। केरल के मुन्नार और इडुक्की, तमिलनाडु की नीलगिरि और पलनी की पहाड़ियां तथा कर्नाटक का कुद्रेमुख इसके प्रमुख ठिकाने हैं। यह झाड़ी अपने जीवन में एक ही बार फूलती है। फूल और बीज बनने के बाद पूरा पौधा सूखकर खत्म हो जाता है। वैज्ञानिक ऐसे पौधों को एकबारी प्रजनन वाला कहते हैं।

एक साथ खिलने का रहस्यः नीलकुरिंजी के बारे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि सब पौधे बारह साल चुपचाप बढ़ते रहकर एक साथ क्यों खिलते हैं? सबसे प्रचलित व्याख्या जीवित रहने की रणनीति की है। अगर हर पौधा अलग साल फूलता, तो बीज खाने वाले पक्षी और कीट थोड़े-थोड़े बीजों को आसानी से चट कर जाते। सब साथ खिलें तो बीज इतने बनते हैं कि खाने वाले सब नहीं खा पाते और जो बचते हैं वे अगली पीढ़ी



बनते हैं। एक साथ खिलने से मधुमक्खियों और तितलियों को भरपूर पराग मिलता है और अलग-अलग पौधों के बीच परागण की संभावना बढ़ती है।

फिर भी पूरा रहस्य खुला नहीं है। पौधों के भीतर वह कौन-सी घड़ी है जो बारह वर्ष गिनती है और पहाड़ों पर दूर-दूर फैले पौधे आपस में तालमेल कैसे बिठाते हैं, इसका पक्का जैविक या आनुवंशिक तंत्र अब तक स्थापित नहीं हुआ है। तापमान, वर्षा और मिट्टी की नमी की भूमिका का अनुमान लगाया जाता है, पर वह अनुमान ही है।

चार वर्ष पूर्व कैसे खिले फूलः तमाम विशेषताओं के बीच विशेषज्ञ इस सवाल का जवाब खोज रहे हैं कि नीलकुरिंजी इस बार चार वर्ष पूर्व कैसे खिल गए? पहली प्रतिक्रिया यह हो सकती है कि यह जलवायु परिवर्तन का असर है। पर कुद्रेमुख के इस पुष्पन के लिए जलवायु परिवर्तन को सीधे जिम्मेदार ठहराने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण अभी नहीं है। वनस्पति शास्त्रियों की सलाह भी यही है कि उपलब्ध जानकारी के आधार पर इसे सीधे जलवायु से जोड़ना उचित नहीं होगा।

एक अन्य संभावना यह है कि इस क्षेत्र में पिछले करीब एक महीने से कहीं-कहीं ही फूल खिल रहे हैं। हो सकता है कि यह पूरी प्रजाति का बड़ा सामूहिक पुष्पन न होकर किसी स्थानीय समूह या पौधों की अलग पीढ़ी का फूलना हो, जो 2018 में नहीं खिली थी। एमईएम कॉलेज की वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष श्रुति नायक के अनुसार, सीमित स्तर पर पुष्पन इस स्थानीय पौध समुदाय के चक्र में विविधता का संकेत हो सकता है। केरल के इडुक्की जिले के पीरुमेड में भी हाल में सीमित क्षेत्र में फूल आने की खबर आई थी, जो बताती है कि अलग-अलग समूहों के फूलने का समय हर जगह एक-सा नहीं होता। अगर ऐसा है तो बारह साल की लय उतनी कठोर नहीं, जितनी हम मानते आए हैं। सही रास्ता यही है कि फूलों का आनंद लें, उन्हें बचाएं और इस पहेली को वैज्ञानिक कसौटी पर सुलझने दें।

संरक्षण है सबसे जरूरीः इस फूल को लेकर चिंता केवल सुंदरता से जुड़ी नहीं है। शोला घासभूमियां, पहाड़ों पर पानी को थामने और धीरे-धीरे छोड़ने वाले स्पंज का काम करती हैं। नीलकुरिंजी के फूल मधुमक्खियों, तितलियों और दूसरे परागण करने वाले जीवों के लिए भोजन और पराग का बड़ा स्रोत हैं। पर इसका घर सिकुड़ रहा है। साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में इसे पहली बार वैश्विक स्तर पर आंकलित कर असुरक्षित श्रेणी में रखा गया। चाय और चीड़, यूकेलिप्टस जैसे बागानों, बसावट के फैलाव और बाहर से आई आक्रामक झाड़ियों ने इसके आवास को काटा है। जिस पौधे को जीवन में एक ही बार बीज बनाने का मौका मिलता है, उसके लिए हर कुचला हुआ पौधा पूरी एक पीढ़ी का नुकसान है।

इसीलिए इस समय सबसे जरूरी सबक संयम और संरक्षण का है। कुद्रेमुख वन्यजीव प्रभाग के उप वन संरक्षक रुथेन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे दुर्लभ फूलों को निहारें, पर छूने, तोड़ने या पौधों को नुकसान पहुंचाने से पूरी तरह बचें। उनके अनुसार क्षेत्र की लगातार निगरानी हो रही है और नियम तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ढलानों पर पड़ने वाला हर कदम उस बीज को कुचल सकता है, जिससे अगली पीढ़ी उगनी है। प्रशासन को भीड़ को तय रास्तों तक सीमित रखना होगा और सैलानियों को प्लास्टिक का एक टुकड़ा भी पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। *

विगत 18 अक्टूबर को मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी की घटना ने इस सवाल को फिर चर्चा में ला दिया कि चमकते सितारों की दुनिया भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। पहले भी कई फिल्म सेलिब्रिटीज पर ऐसे हमले हुए हैं। यही वजह है कि तमाम सुपर स्टार्स को टाइट सिक्योरिटी में रहना पड़ता है। बॉलीवुड के डराने वाले सच पर एक नजर।

कितने सुरक्षित हैं फिल्म स्टार्स

सिने वर्ल्ड
अशोक जोशी





फिल्मी सितारों की जिंदगी बाहर से जितनी चमकदार दिखाई देती है, उसके पीछे छिपी चुनौतियां उतनी ही गंभीर हो सकती हैं। पर्दे पर लाखों लोगों का मनोरंजन करने वाले कलाकारों को कभी प्रशंसकों का अपार प्यार मिलता है, तो कभी धमकियों, जबरन वसूली और जानलेवा हमलों का सामना करना पड़ता है। हाल के वर्षों और पिछले दिनों टाइगर श्रॉफ के साथ घटित ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या लोकप्रियता के इस नए दौर में सितारों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है?

शुरुआती खबरों के अनुसार, टाइगर सुरक्षित थे, जबकि उनके चालक को चोटें आईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हमले के पीछे किसका हाथ था और उसका उद्देश्य क्या था, इन सवालों के उत्तर जांच से ही सामने आ सकते हैं। लेकिन इस घटना ने फिल्म जगत की सुरक्षा को लेकर चिंता जरूर बढ़ाई। इससे पहले सलमान खान के घर को भी निशाना बनाया गया था। कनाडा में कपिल शर्मा के रेस्टोरेंट पर भी हमला किया गया था। खबर तो कई और बड़े सितारों की सुरक्षा पर भी उठे हैं। इसके चलते अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, सलमान और आमिर खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।



गुलशन की हत्या ने झकझोर दिया था देशः हालांकि फिल्म जगत में धमकियों और हिंसा की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। अंतर यह था कि आज की तरह चौबीसों घंटे खबरों, सोशल मीडिया और मोबाइल कैमरों के माध्यम से हर घटना तुरंत सार्वजनिक नहीं होती थी। 12 अगस्त 1997 को टी-सीरीज के संस्थापक और संगीत कारोबारी गुलशन कुमार की मुंबई में हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। संगीत की दुनिया में अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम बनाने वाले व्यक्ति की इस तरह हत्या ने फिल्म और संगीत उद्योग के सामने मौजूद गंभीर सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को उजागर किया।

राकेश रोशन पर हुआ अटैकः 21 जनवरी 2000 को फिल्मकार राकेश रोशन पर मुंबई में उनके कार्यालय के बाहर गोलीबारी की गई थी। वे घायल हुए, लेकिन उनकी जान बच गई। यह घटना उनकी फिल्म 'कहो ना प्यार है' की सफलता के कुछ ही समय बाद हुई थी। उस समय इस हमले को लेकर विभिन्न आपराधिक पहलुओं की जांच हुई और फिल्म उद्योग में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। राकेश रोशन पर हुआ हमला इस बात का उदाहरण है कि किसी कलाकार या फिल्मकार की सफलता के साथ सुरक्षा संबंधी जोखिम भी पैदा हो सकते हैं।

हालांकि हर हमले का कारण अलग होता है और किसी घटना को केवल लोकप्रियता या सफलता से जोड़कर देखना उचित नहीं है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर ही उसके पीछे के कारणों पर निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए।

गुलशन कुमार और राकेश रोशन की घटनाओं से लेकर आज के मामलों तक एक बात स्पष्ट है, फिल्म जगत में सुरक्षा की चुनौती पहले भी मौजूद थी। आज फर्क यह है कि सितारों की सार्वजनिक गतिविधियां अधिक व्यापक रूप से दिखाई देती हैं और किसी हमले की खबर कुछ ही क्षणों में देश-दुनिया तक पहुंच जाती है।

सोशल मीडिया बना सुरक्षा की चुनौतीः हाल के वर्षों में सोशल मीडिया ने कलाकारों को अपने प्रशंसकों के साथ सीधे जुड़ने का अभूतपूर्व अवसर दिया है। वे अपनी फिल्मों, काम और निजी अनुभवों की झलकियां साझा कर सकते हैं। प्रशंसकों के लिए भी यह अपने प्रिय सितारों के करीब महसूस करने का माध्यम है। लेकिन सार्वजनिक जानकारी और निजी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। किसी व्यक्ति की तत्काल लोकेशन, निजी कार्यक्रम या यात्रा की जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। ऑनलाइन धमकियां, पीछा करना और जबरन संपर्क बनाने की कोशिशें भी सुरक्षा संबंधी चिंता बढ़ा सकती हैं।

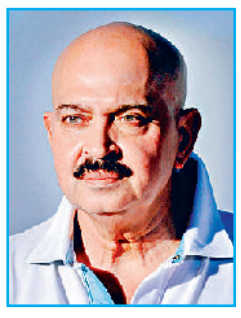

इसलिए कलाकारों और उनकी टीमों के लिए डिजिटल सुरक्षा, व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता और सार्वजनिक कार्यक्रमों की सुरक्षा-योजना पहले से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। वहीं सोशल मीडिया मंचों की भी जिम्मेदारी है कि हिंसक धमकियों और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित शिकायतों पर उचित कार्रवाई की जाए।

सुरक्षा केवल बॉडीगार्ड तक सीमित नहींः अकसर किसी फिल्मी सितारे के साथ निजी सुरक्षाकर्मियों की बड़ी टीम देखकर लगता है कि उसकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं। लेकिन वास्तविक सुरक्षा केवल बॉडीगार्ड की संख्या से तय नहीं होती। इसमें खतरे का सही आकलन, पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय, सार्वजनिक आयोजनों की तैयारी, डिजिटल सुरक्षा और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी शामिल हैं। प्रत्येक मामले में जोखिम अलग होता है। इसलिए सभी सितारों के लिए एक जैसी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं हो सकती। जिन लोगों को वास्तविक धमकियां मिलती हैं, उनके मामलों में समय रहते जांच और खतरे के अनुरूप सुरक्षा आवश्यक है। *

खबर संक्षेप

राम मंदिर में सुबह 7 बजे से होंगे दर्शन

अयोध्या। ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रख श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में विराजमान श्रीरामलला की दैनिक



पूजा, आरती, भोग, विश्राम एवं दर्शन की समय-सारणी में संशोधन किया गया है। अभी मंदिर के पट सुबह 3:45 बजे खुलते हैं और रात 10:30 बजे बंद होते हैं। अब यह समय क्रमशः सुबह 4 बजे और रात 10 बजे होगा। 7 बजे से दर्शन होंगे।

पालघर में 5वीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, 7 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर से एक रिहायशी इमारत में 5वीं मंजिल से लिफ्ट के नीचे गिर जाने से 7लोग



घायल हो गए। लिफ्ट की क्षमता केवल 5लोगों की थी।यह घटना दोपहर करीब 2 बजे पाटनकर पार्क इलाके में स्थित धनंजय एवेन्यू बिल्डिंग में हुई। घटलों में, 4 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें भर्ती कराया गया है।

भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा पुरावशेष अरुणाचल प्रदेश पहुंचे

ईटानगर। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा पुरावशेष शनिवार को अरुणाचल प्रदेश पहुंचे। पूर्वोत्तर के इस राज्य में तीन सप्ताह तक इन अवशेषों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसकी शुरुआत तवांग से होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी से श्रद्धालुओं को बौद्ध विरासत से और करीब से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इन पवित्र पुरावशेष को सबसे पहले प्रसिद्ध तवांग स्मारक में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद इन्हें बोमडिला और नामसाई ले जाया जाएगा। यह अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध बौद्ध परंपराओं को दर्शाता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप

गुप्त बैठक कर प्लान तैयार, 4 दिन पहले हुए मंत्रिमंडल विस्तार से नाराज

खतरे में अब्दुल्ला की कुर्सी? 24 विधायकों ने कर दी बगावत

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर और गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेगा। विधायकों ने नेतृत्व के जवाब का इंतजार करने और उसके बाद आगे की रणनीति तय करने का फैसला किया है।

जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं।



एनसी के हैं 41 विधायक

आपको बता दें कि 90 विधायकों वाली विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41 विधायक हैं। उमर अब्दुल्ला को कांग्रेस के छह विधायकों का समर्थन है। वहीं, कुछ छोटी पार्टियों और निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार बनाने में साथ दिया है। ऐसे में अगर 24 विधायकों का बगावत शांत नहीं हुआ तो उमर अब्दुल्ला की सरकार खतरे में आ सकती है। विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव की मांग तक कर सकता है।

यह है बागी विधायकों की मांगें

नेशन कॉन्फ्रेंस के सभी 24 बागी विधायक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटाने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को हटाया जाए, जिन मंत्रियों ने अपने पद पर दो साल पूरे कर लिए हैं उन्हें हटाया जाए और मंत्रिपरिषद का पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। विधायकों के साथ-साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर से सांसद आगा रुहुल्लाह ने भी घोषणा की है कि वे अपनी संसदीय सीट और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे। अब्दुल्ला के साथ रुहुल्लाह के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। अब उन्होंने पार्टी से अलग होकर अपना अलग रास्ता चुनने का फैसला किया है।

यह भी कहा विधायकों ने

बैठक में शामिल विधायकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पार्टी नहीं छोड़ने की शपथ भी ली। हालांकि, कुछ लोगों पर पार्टी के आंतरिक कामकाज को कमजोर करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी ने बैठक को सामान्य मुलाकात बताया। उन्होंने कहा कि कैसर जमशेद लोन ने दोपहर के भोजन पर बुलाया था और इसे राजनीतिक बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

कई दावेदारों को नहीं मिली जगह

27 अक्टूबर के कैबिनेट विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 4 विधायक अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू मंत्री बनाए गए। वहीं, निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। इस विस्तार में कई ऐसे वरिष्ठ विधायक मंत्री नहीं बन सके, जिनके नाम की चर्चा थी। इनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल भी शामिल हैं। मुबारक गुल को बाद में फारूक अब्दुल्ला ने अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया।

सरदार पटेल की 151वीं जयंती

शाह ने निकाली 'एकता दौड़' नशामुक्त भारत का लक्ष्य रखा



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत आयोजित 'एकता दौड़' का शुभारंभ किया। उन्होंने देशवासियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई। शाह ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भारत का इतिहास बदला, बल्कि देश के भूगोल की संरचना भी की। अनेक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने अखंड भारत का निर्माण किया। पटेल ने मात्र 1218 दिनों में अखंड भारत की रचना कर वह कर दिखाया, जिसे दुनिया असंभव मानती थी।

490 पुलिसकर्मियों को 'केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक'

विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के 490 कर्मियों को शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' प्रदान करने की घोषणा की गई। इसमें सीबीआई के 14 अधिकारी भी हैं। यह पदक राज्यों के पुलिस बलों, सुरक्षा संगठनों, खुफिया इकाइयों, शाखाओं एवं विशेष शाखाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को मिलेगा। केंद्रीय पुलिस संगठनों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सरदार की जयंती पर स्वास्थ्य मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। कर्तव्य भवन-1 में समारोह में अधिकारियों ने एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली।

15 खास ड्रोनों के फॉर्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे

2100 एरियल ड्रोन शो से आसमान में जीवंत होगी रामायण की गाथा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

दीपोत्सव-2026 के दौरान दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी का आसमान इस बार भी अद्भुत दृश्य का साक्षी बनेगा। दीपावली की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले दीपोत्सव-2026 में पर्यटन विभाग की ओर से भव्य एरियल ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। अयोध्या में 07 नवंबर को जब दीपों की रोशनी से सरयू तट जगमगाएगा, तब आसमान में भी रोशनी का एक भव्य उत्सव देखने को मिलेगा। दीपोत्सव-2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस बार नए कलेवर में एरियल ड्रोन शो प्रस्तुत करेगा। इसमें राम दरबार, पुष्पक विमान और रामायण के प्रमुख प्रसंग आसमान में जीवंत होते नजर आएंगे।



पात्रों और कथा प्रसंगों को आकर्षक दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हर वर्ष अयोध्या के दीपोत्सव को नई भव्यता देने का प्रयास किया जाता रहा है। इस बार भी एरियल ड्रोन शो में रामायण के प्रमुख पात्रों और कथा प्रसंगों को आकर्षक दृश्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। ड्रोन से बने फॉर्मेशन के जरिए वीर मुद्रा में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान, रावण वध, पुष्पक विमान, दीपोत्सव, राम दरबार, हनुमान, महर्षि वाल्मीकि और गोस्वामी तुलसीदास जैसे प्रसंग जीवंत होंगे। इसके साथ राम मंदिर, दीपोत्सव, उत्तर प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग के लोगो भी आकाश में प्रदर्शित किए जाएंगे। संगीत, रोशनी और विभिन्न दृश्यात्मक प्रभावों का तालमेल शो को भव्य रूप देगा। वॉयस ओवर और संगीतमय नैरेशन का विशेष समायोजन देखने को मिलेगा।

पावरग्रिड ने केंद्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में जागरूकता रैली का आयोजन किया



गुरुग्राम। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत अपने केंद्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है, जिसकी थीम "समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा" है। यह थीम सतत विकास और राष्ट्रीय समृद्धि प्राप्त करने में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती है। इस जागरूकता रैली का नेतृत्व श्री वम्सी राम मोहन बुर्रा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावरग्रिड ने किया। इस अवसर पर डॉ. यतींद्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक), श्री नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (प्रचालन), श्री अमोल टावरी, निदेशक (वित्त), श्री अखिलेश पाठक, निदेशक (परियोजनाएं), श्री नवीन कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री पंकज पांडेय, ओएसडी (प्रचालन), श्री संजय कुमार गुप्ता, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-46, गुरुग्राम के विद्यार्थियों ने भी इस जागरूकता रैली में भाग लिया। सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इफको चौक पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

ऑल्टेयर हाउस – आईएचसीएल सिलेक्शन्स' का अनावरण किया



कोलकाता/सिलीगुड़ी। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) और विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रमुख कॉर्पोरेट समूह, अंबुजा नियोतिया ने आज कोलकाता और सिलीगुड़ी में 'ऑल्टेयर हाउस – आईएचसीएल सिलेक्शन्स' का अनावरण किया।इस अवसर पर आईएचसीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री पुनीत छतवाल ने कहा , "कोलकाता और सिलीगुड़ी में 'आईएचसीएल सिलेक्शन्स' ब्रांड के तहत 'ऑल्टेयर हाउस' के खुलने से अंबुजा नियोतिया के साथ हमारी दीर्घकालिक साझेदारी और मजबूत हुई है। अपने अनूठे डिजाइन और बेमिसाल अनुभवों के साथ, ऑल्टेयर हाउस 'आईएचसीएल सिलेक्शन्स' प्लेटफॉर्म के लिए पूरी तरह अनुकूल है। फ्रैंचाइजी समझौते के तहत की गई यह शुरूआत हमारी साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ती है।"उन्होंने आगे कहा, "एक साझा विजन पर आधारित, आईएचसीएल और अंबुजा नियोतिया इस पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने, यात्रा के नए अनुभव तैयार करने और आईएचसीएल के ब्रांड्स की मौजूदगी का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"इस ऐतिहासिक मौके पर, अंबुजा नियोतिया ने कोलकाता, रायचक, दीघा, सिलीगुड़ी, लातागुड़ी, कलिम्पोंग और दार्जिलिंग में आईएचसीएल के विभिन्न ब्रांड्स के तहत पश्चिम बंगाल के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 2,700 करोड़ के बड़े निवेश की घोषणा की। इस निवेश में हाल ही में लॉन्च किए गए दोनों होटल शामिल हैं। इसके साथ ही, दार्जिलिंग स्थित 'ताज चिया कुटीर रिसॉर्ट एंड स्पा' के 100 करोड़ के विस्तार की भी घोषणा की गई, जिसके तहत इसमें 28 नए कमरे और 15,000 वर्ग फुट की बैंक्वेट सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

एआईसीटीई ने तकनीकी शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए चार योजनाएं शुरू कीं



नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अवसंरचना विकास एवं क्षमता निर्माण (आईडीसी) पहल के अंतर्गत चार योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य संस्थानों के शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, व्यावहारिक शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना, शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआईसीटीई पात्र संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। शुरू की गई चार योजनाओं में आइडिया लैब, सम्मेलन आयोजन अनुदान (जीओसी), परिणाम-आधारित प्रणाली के लिए आधुनिकीकरण एवं पुनर्गठन (मॉडरोब्स) तथा मार्गदर्शन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से नवाचार, व्यावहारिक शिक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास और संस्थागत मार्गदर्शन के लिए एक सशक्त व्यवस्था विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. योगेश सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "ये चारों योजनाएं देश की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आइडिया लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को नए विचार विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक समाधानों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि हम अपनी शिक्षण पद्धतियों पर नए सिरे से विचार करें, प्रयोगों को बढ़ावा दें।

पीआई इंडस्ट्रीज ने पेश किया पहला स्वदेशी कीटनाशक मॉलिक्यूल पियोक्सैनिलिप्रोले

नई दिल्ली। भारतीय कृषि विज्ञान के लिए एक ऐतिहासिक मौके पर पीआई इंडस्ट्रीज ने आज पियोक्सैनिलिप्रोले पेश किया। यह भारत में खोजा गया पहला स्वदेशी कीटनाशक मॉलिक्यूल है, जिसे एक दशक से अधिक समय तक चले मौलिक शोध, लगातार निवेश और वैज्ञानिक नवाचार के जरिए विकसित किया गया है। यह उपलब्धि पीआई और भारत के फसल सुरक्षा उद्योग, दोनों के लिए एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पियोक्सैनिलिप्रोले इस बात का सबूत है कि भारत अब नई वैज्ञानिक खोजों की शुरुआत करने और अपनी खुद की बौद्धिक संपदा रचने में तेजी से सक्षम होता जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पाँचवे दिन, 30 अक्टूबर 2026 को, सतर्कता अधिकारियों और निरीक्षकों की टीमों ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों दिल्ली जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर यात्री प्रतिक्रिया सर्वेक्षण किया । सतर्कता टीमों ने यात्रियों से उनकी शिकायतों, विशेषकर रेलवे में किसी भी प्रकार की अनियमितताएं के बारे में फीडबैक प्राप्त किए । इस पहल का उद्देश्य यात्रियों के अनुभवों को समझना, उत्तर रेलवे सतर्कता विभाग को प्रक्रियाओं/नीतियों आदि में सुधार लाने हेतु समस्या क्षेत्रों की पहचान करने और भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी रेलवे प्रणाली को बढ़ावा देने के प्रयासों को मजबूत करने मे पीआई इंडस्ट्रीज ने पेश किया भारत में खोजा गया पहला स्वदेशी कीटनाशक मॉलिक्यूल पियोक्सैनिलिप्रोले दस साल की रिसर्च से मिली यह सफलता विश्वस्तरीय कृषि विज्ञान और अपने नवाचार खड़े करने की भारत की क्षमता में एक निर्णायक पड़ाव है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Ms Sukhveer Kaur, Civil Judge (Junior Division), Hisar
Bank of Maharashtra
Vs.
Raj Singh
Suit for recovery of Rs. 4,03,888/-
CNR No. HRHS02-001622-2025
Next Date:- 18-01-2027
PUBLICATION ISSUED TO:
Raj Singh
Son::-Babu Lal
House no.98, VPO Rasalpur Teh. Kanina Distt. Mahendergarh
Second Address- House no.3239/GF, Housing Board Colony, Sector 1-4, Hisar
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 18-01-2027 at 10:00 a.m.
For details logon to **https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Hisar**
Sd/- Civil Judge (Junior Division), Hisar
Dated, this day of 28-10-2026

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5, Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF MS. AMBIKA SINGH, DJ-01 (SOUTH) SAKET COURTS, NEW DELHI
Summon to the Defendant by way of publication in Newspapers and by way of affixation on the Notice Board of Saket Court.
CS DJ 90/21
CHONGPI MISAO VS. KAPIL DEV
MR. JITENDER KUMAR S/O RAMJASS YADAV R/O HOUSE NO 117, GINDO KHER (113), PO: DEHLAWAS, GULABPUR, DIST:-REWARI, HARYANA 123401
Whereas you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on 18.11.2026, the day fixed for the final disposal. It will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and the seal of the Court, this 16.10.2026
Sd/- District Judge-01 South District, Saket Courts, New Delhi

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031
NAAC A
विज्ञापन सं: 02/NT/R/2026 दिनांक: 28.10.2026
रोजगार सूचना
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में **तकनीकी सहायक (कंप्यूटर)** के पद पर सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उक्त पद हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र, पात्रता मानदंड एवं अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध है। इस संबंध में भविष्य में जारी की जाने वाली समस्त सूचनाएँ केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही अपलोड की जाएँगी। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि **27 नवंबर 2026 सायं 5:00 बजे तक** है। **कुलसचिव**

शब्द पहेली - 6395

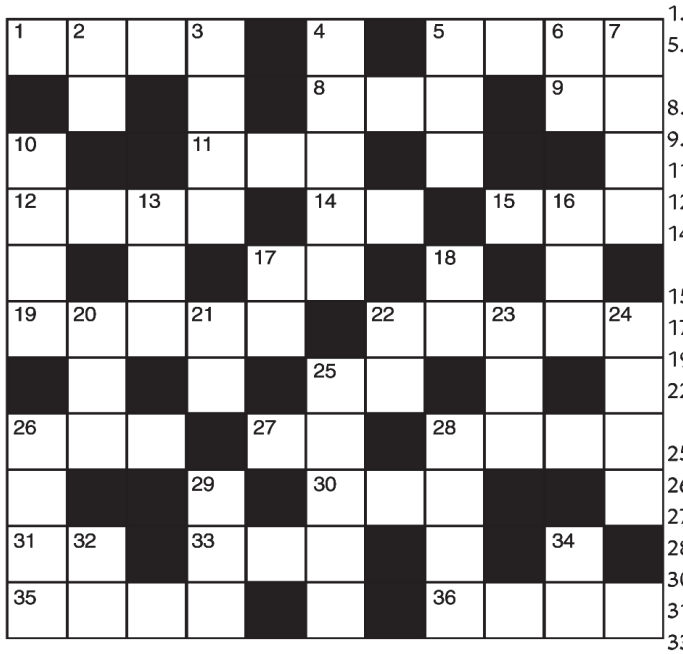

बाएँ से दाएँ
1. आदत से मजबूर-4
5. एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8. हवा, समीर-3
9. रुष्ट, गुस्सा होना-2
11. सफेद, श्वेत-3
12. हमेशा, सदैव-4
14. मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15. सिर्फ, महज-3
17. अनाज का कण-2
19. आधुनिक, नया-5
22. एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25. सदैव-2
26. ध्वजा-3
27. अधिकार-2
28. असमकक्ष-4
30. चिलमन, नकाब-3
31. वायु रोग-2
33. नल, टोंटी-3
35. आवश्यकता-4
36. शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2. राजनीतिक पार्टी-2
3. नीच, अपराधी-4
4. बिजली कौंधना-5
5. बंदर, मर्कट-3
6. जूं का अंडा-2
7. दक्षता, होशियारी-4
10. उपकार, दया भार-4
13. कुचलना, दबाना-3
16. आमदनी-3
17. मूल्य, कीमत-2
18. वाद्य यंत्र-2
20. बहादुरी-3
21. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22. नाज, नखरा-2
23. उत्तराधिकारी-3
24. आधुनिकता-4
25. झिझकना-5
26. हौसला, ताकत-4
28. शत्रुता, दुश्मनी-4
29. हूर, परी, अप्सरा (उर्दू-3)
32. पेड़, दरख्त-2
34. औषधि-2

शब्द पहेली- 6394 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

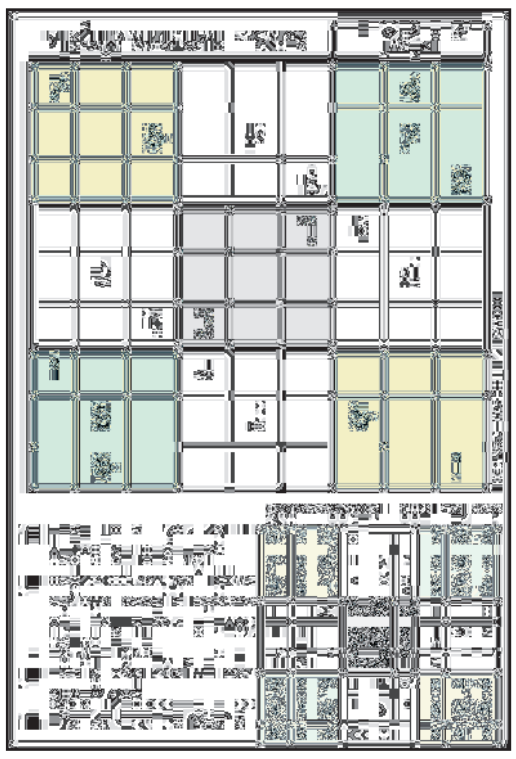

खबर संक्षेप

भूस्खलन में लापता 12 लोगों की तलाश जारी

भुवनेश्वर/फुलबनी। ओडिशा सरकार ने उन 12 लोगों की तलाश तेज कर दी है, जो एक दिन पहले चक्रवात 'अर्नब' के कारण हुई बारिश से गंजाम और कंधमाल जिलों की सीमा पर स्थित एक गांव में हुए भूस्खलन के बाद लापता हो गए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बचाव दल रविवार से मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए नौसेना के एक अत्याधुनिक उपकरण का इस्तेमाल करेगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सिन्हा पंचतत्व में विलीन

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य रविंद्र किशोर सिन्हा का शनिवार को बिहार की राजधानी पटना में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सिन्हा (75) का शुक्रवार को नोएडा स्थित उनके आवास पर संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया था। वह देश की सबसे बड़ी निजी सुरक्षा कंपनी एसआईएस एंटरप्राइजेज के संस्थापक थे।

इंफाल में मेइती संगठनों ने विशाल रैली निकाली

इंफाल। मणिपुर में मेइती संगठनों के एक साझा मंच ने शनिवार को राजधानी इंफाल में एक विशाल रैली निकाली और राज्य में जारी हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री के इस्तीफे, मूल निवासियों की सुरक्षा तथा उग्रवादी संगठनों के साथ उग्रवादियों के खिलाफ अभियान रोकने संबंधी समझौता रद्द करने की मांग की। यह रैली उग्रवादियों द्वारा 14 मेइती पुरुषों पर घात लगाकर हमला किए जाने और उनमें से तीन की हत्या किये जाने के कुछ दिन बाद निकाली गई।

यूपी एसटीएफ ने तस्कर से सात बाज बरामद किए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने अति दुर्लभ संरक्षित एवं प्रतिबंधित वन्य जीवों की तस्करी करने वाले गिरोह के एक अन्तर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सात बाज बरामद किए हैं जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 1.40 करोड़ रुपये है। एसटीएफ ने एक बयान जारी कर बताया कि शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान फिरोज मुसर्रत खान के रूप में की गई है जो भायखला रेलवे स्टेशन के पास का रहने वाला है।

शिमला में वाहन खाई में गिरा, पांच लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल के शिमला में शनिवार को एक वाहन के खाई में गिरने से मां-बेटे समेत पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, हादसा दरोटी इलाके में पानू नाला के पास उस समय हुआ, जब एक व्यक्ति कुछ मजदूरों को खेत में काम कराने के लिए ले जा रहा था। हादसे में दरोटी निवासी कुशल और उनकी मां कल्पना देवी की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इलाके में मजदूरी करने वाली नेपाल की तीन महिलाओं - निर्मला, मीना और रोशनी - की भी हादसे में जान चली गई। घायल व्यक्ति को पहले रोहड़ू के एक अस्पताल ले जाया गया और बाद में शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

पंजाब कांग्रेस के नेता खड़गे व राहुल से मिले

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की पंजाब इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पंजाब में पार्टी की चुनावी रणनीति, संगठन को मजबूत करने और सभी नेताओं के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पंजाब प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी और बाजवा समेत प्रदेश इकाई के कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

मोदी ने 151वीं जयंती पर पटेल की मूर्ति का जलाभिषेक किया, राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई

भारत विरोधी ताकतों को समर्थन दे रहा विपक्षः मोदी

अहमदाबाद। राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरदार पटेल, डॉ भीमराव अंबेडकर आदि महान लोगों ने संविधान में सत्ता पक्ष व विपक्ष की एक व्यवस्था बनाई। लोकतंत्र में विरोध पक्ष का दायित्व सरकार की नीतियों का विरोध करना होता है लेकिन विपक्ष ने कर्तव्य त्यागकर अवरोध को ही अपनी राजनीति बना ली। देश विरोधी ताकतें भारत के विभाजन की साजिश रच रही हैं और देश के लोगों को आपस में लड़ाना चाहती है। देश के लोगों को इससे सतर्क रहते हुए इनसे निपटना होगा। प्रधानमंत्री मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एवं उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार शाम को केवडिया में लौहपुरुष सरदार पटेल की 151 वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समरोह में शामिल हुए। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी





- सरदार पटेल ने हमें प्रगति की राह बताई
- पीएम ने एकतानगर के रैन फॉरेस्ट में वामन वृक्ष वाटिका का दौरा किया

100 करोड़ लोगों के पास सामाजिक सुरक्षा कवच

पीएम ने कहा कि 2014 से पहले देश में 25 करोड़ लोगों के पास भी सामाजिक सुरक्षा कवच नहीं था। आज 100 करोड़ लोगों को इससे जोड़ा जा चुका है। आज जब पूरा देश सरदार साहब को याद कर रहा है। उनकी आत्मा हमें जरूर आशीर्वाद देती होगी। ऐसे ही प्रयासों से हम देश में गरीबी दूर करते रहेंगे।

अमृतसर में डेरा ब्यास सेवादार की गोली मारकर हत्या, दूसरा गंभीर

एजेंसी ▶▶| अमृतसर

अमृतसर के ब्यास में शनिवार दोपहर को जमीन विवाद में गोलियां मारकर डेरा ब्यास के सेवादार की हत्या कर दी गई। उसके साथ मौजूद एक अन्य सेवादार को भी गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुआ। उसे बाबा बकाला साहिब के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी हमलावर, उसकी पत्नी और बेटे को गिरफ्तार किया है। इस दौरान मुख्य आरोपी ने पुलिस अधिकारी की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की तो पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। उसके पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल मे भर्ती किया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच करीब 6 कनाल जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था। इसी झगड़े में आरोपी ने अपने घर की छत पर चढ़कर फायरिंग की थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

15 से 20 राउंड फायरिंग हुई, पुलिस ने मौके से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया



अमृतसर के एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चहल के मुताबिक, शनिवार को ब्यास के नजदीक गांव गाजीवाल में फायरिंग हुई। इस वारदात में मनजीत सिंह और दविंदर सिंह घायल हुए। जांच में मामला जमीन विवाद का सामने आया है। घटनास्थल पर करीब 15 से 20 राउंड फायरिंग होने की बात सामने आई है। हालांकि, फायरिंग के सही आंकड़े की जांच की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके से 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें मुख्य आरोपी युद्धवीर सिंह, उसकी पत्नी और उसका करीब 16 वर्षीय बेटा शामिल है। मुख्य आरोपी युद्धवीर ने ही अपने घर की छत पर चढ़कर फायरिंग की थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ग्लॉक पिस्टल, दो .30 बोर की पिस्टल, एक 12 बोर की बंदूक और बड़ी संख्या में गोलियां बरामद की हैं।

रेल मंत्री और योगी ने हरी झंडी दिखाई

वाराणसी से स्लीपर वंदेभारत शुरू, 9 घंटे में दिल्ली पहुंचेगी

अब वाराणसी से दिल्ली तक का सफर पहले के मुकाबले ज्यादा आरामदायक और तेज होगा। पूर्वी उप्र और दिल्ली-एनसीआर के बीच रेल कनेक्टिविटी और मजबूती होगी

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी से तीन रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई, जिनमें वाराणसी-नयी दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, बनारस-प्रयागराज रामबाग मेमू ट्रेन और वाराणसी सिटी-राजातालाब ट्रेन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली और छठ से पहले काशीवासियों को तीन नई रेल सेवाओं की सौगात मिली है। योगी ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से काशी से दिल्ली की यात्रा अब आठ से नौ घंटे में पूरी होगी, जबकि पहले इसमें 13 से 14 घंटे लगते थे। 16 कोच वाली इस ट्रेन में एक साथ 823 यात्री सफर कर सकेंगे। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री ने दिल्ली से वाराणसी के बीच देश की पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया था और अब स्लीपर ट्रेन की सुविधा शुरू हुई है। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले सीएम योगी और रेल मंत्री ने इसका निरीक्षण किया। दोनों ने लोको पायलट से बातचीत की।

ट्रेन का शेड्यूल

यह ट्रेन नई दिल्ली से वाराणसी नई दिल्ली से रात 09:40 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07:10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। ट्रेन सप्ताह में शनिवार को छोड़कर 6 दिन चलाई जाएगी। वाराणसी से नई दिल्ली वापसी में वाराणसी से रात 08:50 बजे चलकर अगली सुबह 06:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।



पहले से कम होगा सफर का समय

नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की एक बड़ी खासियत इसका कम यात्रा समय है। वाराणसी से दिल्ली की यात्रा में मौजूदा शिव गंगा एक्सप्रेस के मुकाबले करीब 55 मिनट की बचत होगी। वहीं, दिल्ली से वाराणसी आने वाले यात्रियों के लगभग 35 मिनट बचेंगे। दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया 1819 रुपये से शुरू होगा।

सीसीटीवी कैमरे व ऑटोमैटिक दरवाजे लगे



दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन वाराणसी और नई दिल्ली के बीच प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ और गाजियाबाद समेत कुल 5 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन का मुख्य रखरखाव वाराणसी में होगा, जबकि यात्रा के दौरान प्रयागराज और कानपुर में वाटर-फिलिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस नई स्लीपर सेवा में सीसीटीवी कैमरे, ऑटोमैटिक दरवाजे, आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम, बेहतर कुशनिंग वाले बर्थ और आधुनिक यात्री सुविधाएं दी गई हैं।

बेंगलुरु-मुंबई के बीच आज से शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर

रेलमंत्री हरी झंडी दिखाएंगे

यह ट्रेन 16 घंटे में सफर पूरा करेगी



नई दिल्ली। बेंगलुरु से मुंबई जाने वाले रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से बेंगलुरु से मुंबई का सफर करीब 16 घंटे 10 मिनट में पूरा होगा।यह ट्रेन सोमवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रविवार को इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन को रवाना करेंगे। ट्रेन का संचालन और रखरखाव दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) जोन की ओर से किया जाएगा।

टिकटों के लिए मची होड़

बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की टिकट बुकिंग शुरू होते ही यात्रियों में होड़ मच गई। शुरुआती दिनों की सीटें फुल और टिकट वेटिंग लिस्ट में पहुंच गईं। बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस की टिकट बुकिंग 31 अक्टूबर को सुबह आठ बजे शुरू हुई थी। लेकिन बुकिंग खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर शुरुआती दिनों की सीटें भर गईं। अब यात्रियों को थर्ड एसी, सेकेंड एसी और फर्स्ट एसी में वेटिंग टिकट मिल रहे हैं। आईआरसीटीसी के बुकिंग पोर्टल के मुताबिक, ट्रेन नंबर 27652 (एसएमवीटी बेंगलुरु-सीएसएमटी मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस) में पहले दिन के लिए सेकेंड एसी और फर्स्ट एसी की सभी सीटें बुक हो चुकी हैं।

सरकारी स्कूल में आरी से छात्रों पर हमला, 2 गंभीर

एजेंसी ▶▶| अमरावती

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के राप्टाडु मंडल में शनिवार सुबह एक सरकारी स्कूल में पढ़ाई चल रही थी तभी 21 साल का एक युवक लकड़ी काटने वाली आरी लेकर 10वीं कक्षा के कमरे में घुस गया। उसने दो छात्राओं पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गईं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह हमला सुबह करीब 10:30 बजे रापताडु गांव के जिला परिषद हाई स्कूल में हुआ। यह घटना क्लासरूम के अंदर हुई, जहां एक शिक्षक मौजूद थे और पढ़ाई चल रही थी। दोनों लड़कियों को इमरजेंसी इलाज के लिए सीधे अनंतपुर के सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। उनमें से एक की वहां गंभीर सर्जरी चल रही है और उसे एयर एम्बुलेंस के जरिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा।



- एक को एयर एंबुलेंस के जरिए बेंगलुरु ले जाया जाएगा

आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपी का नाम हेमंत उर्फ डुम्मू है। बताया जाता है कि हमले के बाद वह स्कूल से भाग गया था। बाद में उसे धर्मावरम रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि वह श्री सत्य साईं जिले के धर्मवरम मंडल के नागालुर का रहने वाला है और लड़की का दूर का रिश्तेदार बताया जाता है।

भाटी गैंग का शार्प शूटर माया त्यागी एनकाउंटर में हुआ ढेर

एजेंसी ▶▶| नोएडा

नोएडा में शनिवार शाम पुलिस ने मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी बदमाश को मार गिराया। अमन उर्फ माया त्यागी रणदीप भाटी गैंग का शार्प शूटर था। पुलिस और जिले की सीआरटी (क्राइम रिस्पॉन्स टीम) ने थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में अमन को घेर लिया। इस दौरान उसने पुलिसवालों पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ के दौरान 3 पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक, अमन उर्फ माया त्यागी थाना बादलपुर से वांछित था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था।



- तीन पुलिस कर्मचारियों को भी गोली लगी

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के अफसर भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अमन का आपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी है। माया के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर के दादरी, बादलपुर और बिसरख थानों के अलावा गाजियाबाद व मुजफ्फरनगर में हत्या, जानलेवा हमला समेत विभिन्न धाराओं में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

रीढ़ की हड्डी की बीमारी से परेशान थी

पुणे में 6 साल के बेटे संग मां 18वीं मंजिल से कूदी

एजेंसी ▶▶| पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 33 साल की एक महिला और उसके 6 साल के मासूम बेटे की मौत ने हर किसी को झकझोर दिया है। महिला पिछले कई सालों से रीढ़ की हड्डी की बीमारी से परेशान थी। इस घटना के बाद पुलिस को 7 से 8 पन्नों का एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें महिला ने पति से दूसरी शादी कर जिंदगी को नए सिरे से शुरू करने की बात कही है। यह घटना पिंपरी-चिंचवड़ के डांगे चौक के पास स्थित सिग्नेचर पार्क सोसायटी की है। मृत महिला की पहचान 33 साल की एकता भांगड़ और उसके 6 साल के बेटे माधव के रूप में हुई है। परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला था। शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे सोसायटी में अचानक अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने इमारत के डक्ट की तरफ से तेज आवाज सुनी। जब वे मौके पर पहुंचे तो एकता और उसका बेटा मृत मिले।

पति के नाम 7-8 पन्नों के सुसाइड नोट लिखा

दलजीत मौत मामले में हाईकोर्ट पहुंचा परिवार

एजेंसी ▶▶| मानसा

पंजाब के मानसा जिले के भम्मे कलां गांव में नशे की ओवरडोज से युवक दलजीत सिंह की मौत के बाद पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठे हैं। परिजनों का आरोप है कि शव लेकर प्रदर्शन करने जा रहे लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और शव अपने कब्जे में ले लिया। परिवार का दावा है कि 3 दिन से शव की जानकारी नहीं दी गई।

मामले में दलजीत की बहन अमरजीत कौर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच, पीजीआई चंडीगढ़ के स्वतंत्र डॉक्टरों के बोर्ड से दोबारा पोस्टमार्टम और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। शनिवार को तत्काल सुनवाई की मांग पर कोर्ट ने सोमवार की तारीख तय की। सरकार ने कोर्ट को बताया कि फिलहाल शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।



नशे की ओवरडोज से युवक की मौत हुई थी

मुर्मू ने नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेले की शुरुआत की

सिंहस्थ कुंभ मेला 2028 को संपन्न होगा



नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में सिंहस्थ महाकुंभ के ध्वज स्तंभ पूजन, ध्वजा पूजन और ध्वजारोहण समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

केदारताल ट्रैक पर आठ ट्रैकर्स फंसे, बचाव अभियान शुरू

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में केदारताल ट्रैक पर आठ ट्रैकर्स और सहायक कर्मियों के हिमस्खलन में फंसे होने की सूचना मिलने पर शनिवार को बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये ट्रेकर्स भोजखड़क से आगे हिमस्खलन होने के कारण फंसे हुए हैं जिनके लिए सुबह राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , वन विभाग, संबंधित ट्रेकिंग एजेंसी तथा राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम रवाना की गईं। उन्होंने बताया कि इन व्यक्तियों में से एक व्यक्ति के सिर पर चोट लगने की सूचना मिली है और ट्रेकर्स ने हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित बचाने का अनुरोध किया है। इस संबंध में आपदा प्रबंधन विभाग ने संबंधित अधिकारी को हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने के लिए पत्र भेजा है। सात ट्रैकर्स और छह सहायक स्टाफ समेत कुल 13 लोग 27 अक्टूबर को केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुए थे।

भोजखड़क से आगे हिमस्खलन होने के कारण सभी फंसे

अयोध्या में राम मंदिर की जमीन के सर्वे की मांग

सुप्रीम कोर्ट कल इस याचिका पर करेगा सुनवाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में बने राम मंदिर की जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दाखिल की गई है। इसमें मांग की गई है कि एक स्वतंत्र समिति या आयोग बनाकर यह जांच कराई जाए कि राम मंदिर ठीक उसी जमीन पर बना है या नहीं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में अपना फैसला सुनाया था। याचिका में जमीन की सही सीमाएं तय करने, पुराने नक्शों और दस्तावेजों की जांच करने के साथ मंदिर में आने वाले चढ़ावे का हिसाब-किताब पारदर्शी बनाने की भी मांग की गई है। श्रीराम जन्मभूमि केस ट्रस्ट की ओर से दाखिल यह याचिका 2 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ सुनवाई कर सकती है।



भूमि की सही पहचान की जाए

याचिका में कहा गया है कि विवादित जमीन की सही पहचान और उसकी सीमाओं का स्वतंत्र सर्वे कराया जाना चाहिए। इसके लिए जमीन के नक्शे, भौगोलिक निर्देशांक, क्षेत्रफल और वास्तविक स्थिति की जांच जरूरी बताई गई है। याचिकाकर्ता चाहता है कि अदालत ऐसे विशेषज्ञों की समिति या आयोग बनाए।

खातों की कैग से जांच कराई जाए

याचिका में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा मंदिर में मिलने वाले दान, चढ़ावे और रसीदों का रोजाना डिजिटल रिकॉर्ड रखने और उसका ब्योरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की मांग की गई है। खातों का हर साल कैग से ऑडिट कराया जाए।

2019 में दिया था फैसला

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या जमीन विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इस फैसले में विवादित 2.77 एकड़ जमीन राम मंदिर निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट को सौंपने का रास्ता साफ किया गया था। केंद्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ वैकल्पिक जमीन देने का निर्देश दिया गया था।

इजराइल के हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में त्रिशंकु संसद के आसार बनते दिखाई दे रहे हैं। उधर, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे मिड-टर्म चुनाव उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं, यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। वहां शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

इजराइल : सत्ता से बेदखल हो सकते हैं नेतन्याहू



विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक ताल्लुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे।

इजराइल में संपन्न हुए संसदीय चुनाव के परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव परिणाम के तत्पश्चात यक्ष प्रश्न उपस्थित हुआ है कि क्या बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता से बेदखल हो सकते हैं? इजराइल के चुनाव पर यूं तो समस्त विश्व की निगाहें टिकी रही हैं, किंतु भारत में इस चुनाव को लेकर विशेष उत्सुकता और उत्कंठा व्याप्त रही है, क्योंकि इजराइल के साथ भारत की घनिष्ठ मित्रता कूटनीतिक ताल्लुकात से कहीं अधिक गहन होकर अत्यंत आत्मीय संबंधों के शिखर तक जा पहुंची है। इजराइल के इस संसदीय चुनाव में वस्तुतः किसी भी एक राजनीतिक गठबंधन को 120 सीटों वाली संसद में स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इजराइल बनाम ईरान जंग की जबरदस्त तपिश से सराबोर बड़े जोश खरोश के साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चुनाव मैदान में उतरे थे। चुनाव परिणाम में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी तो केवल 27 सीटों पर सिमट कर रह गई है और उनके नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन भी इजराइली संसद में केवल 53 सीटें ही हासिल कर पाया। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पहले सन् 2022 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32 सीटें हासिल हुई थी और नेतन्याहू के नेतृत्व में उनके राजनीतिक गठबंधन ने 64 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई थी। 2022 के संसदीय चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री येअर लेपिड के नेतृत्व वाले राजनीतिक गठबंधन को केवल 51 सीटों पर विजय हासिल हुई थी। वर्ष 2026 के संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन संसद में स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से आठ सीटों से पीछे रह गया है। संसदीय चुनाव के आंकड़े साफ तौर पर बयान कर रहे हैं कि सन् 2022 चुनाव के मुकाबले में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की राजनीतिक लोकप्रियता में विकट गिरावट दर्ज की गई है। जनरल आइजनकोट की कमान में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन को 48 संसदीय सीटों पर विजय हासिल हुई है। अत्यंत विस्मयकारी रूप से इजराइल की अरब पार्टियों को 19 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव में अरब पार्टियों को केवल 10 सीटें प्राप्त हुईं।



इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां

मध्य पूर्व में मौजूद शाही सामंती सरकारों के मध्य स्थापित इजराइली लोकतंत्र के समक्ष गंभीर सुरक्षा चुनौतियां सदैव उपस्थिति रहती हैं। ऐतिहासिक तौर पर दृष्टि डाली जाए तो 1948 में अपने स्थापना काल से आज तक इजराइल में किसी भी एक राजनीतिक पार्टी की हुकूमत अस्तित्व में नहीं आ पाई। मैडम गोल्डा मायर जैसी अत्यंत लोकप्रिय लीडर को भी इजराइली संसद में केवल 56 सीटें हासिल हो पाई थीं। किसी भी राजनीतिक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत न मिल पाने के कारण वर्ष 2019 से वर्ष 2022 के मध्य इजराइल में पांच बार संसदीय चुनावों का आयोजन करना पड़ा था। इजराइल की तकरीबन एक करोड़ आबादी में छियत्तर लाख मतदाता हैं। वर्ष 2022 के संसदीय चुनाव के पश्चात इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के राजनीतिक गठबंधन की सरकार का गठन किया जा सका, जिसने अपना चार वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। प्रबल प्रश्न है कि क्या विपक्षी गठबंधन नेतन्याहू को राजसत्ता से बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ मिलकर हुकूमत निर्मित करने का जोखिम लेगा, जिनका वह विरोधी रहा है। प्रबल वामपंथी लीडर यायर गोलान ने कहा है कि राजसत्ता से नेतन्याहू को बेदखल करने के लिए अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की पेशकश की है और कहा है कि यहूदियों और अरबों के मध्य धार्मिक और नस्लवादी मतभेदों को अब तो इजराइल में गहरा दफन कर देना चाहिए। वामपंथी लीडर यायर गोलान की पेशकश को यदि आइजनकोट का राजनीतिक गठबंधन स्वीकार कर लेता है तो फिर यकीनन नेतन्याहू इजराइल के अगले प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे।

अरब पार्टियों को फंडिंग

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संगीन इल्जाम आयद किया है कि इजराइल विरोधी शक्तियों द्वारा चुनाव में उनकी प्रबल विरोधी अरब पार्टियों को जबरदस्त फंडिंग की गई है और अरब पार्टियों द्वारा संसदीय चुनाव को चोरी कर लिया गया है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने भी अपने बयान में इल्जाम लगाया कि मतदाताओं को बरगलाने और आकर्षित करने के लिए रिश्वतखोरी, हिंसा, धोखाधड़ी और प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया। हालांकि इस संगीन इल्जामात को सिद्ध करने के लिए कोई पुख्ता प्रमाण नेतन्याहू और लिकुड पार्टी द्वारा अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। नेतन्याहू के इल्जामात पर इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने बाकायदा जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इजराइल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक डीन लिवने ने फरमाया है कि संसदीय चुनाव की निष्पक्षता के व्यवस्थित उल्लंघन के इल्जामात को साबित करने के लिए किसी किस्म के ठोस और पुख्ता सबूत उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। अतः केंद्रीय चुनाव समिति के महानिदेशक द्वारा इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। इजराइल के संसदीय चुनाव के अंतिम परिणाम प्राप्त हो जाने के तत्पश्चात हुकूमत निर्मित करने के सिर्फ तीन संभावित विकल्प दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

तीन संभावित विकल्प

प्रथम संभावित विकल्प है कि बेंजामिन नेतन्याहू और जनरल आइजनकोट के संयुक्त नेतृत्व में इजराइल में एक राष्ट्रीय सरकार का गठन किया जा सकता है। दूसरा विकल्प है कि नेतन्याहू के नेतृत्वकारी गठबंधन के साथ जनरल आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन से पृथक होकर कुछ पार्टियां नेतन्याहू के नेतृत्व में राजनीतिक गठबंधन सरकार में शामिल हो सकती हैं। तीसरा संभावित विकल्प है कि जनरल आइजनकोट के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को अरब पार्टियों को समर्थन प्राप्त हो सकता है और जनरल आइजनकोट इसराइल के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इजराइल की कुल आबादी में तकरीबन बीस फ़ीसदी आबादी अरब नागरिकों की है। अरब आबादी में मुख्यतः मुसलमान और ईसाई हैं। आश्चर्यजनक तौर पर इस चुनाव में अरब पार्टियों को तकरीबन 15 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। चुनाव अभियान के दौरान नेतन्याहू और आइजनकोट के नेतृत्वकारी राजनीतिक गठबंधनों द्वारा अरब पार्टियों से अपनी राजनीतिक दूरी बाकायदा बरकरार बनाए रखी। चुनाव के बाद आए परिणामों ने सरकार के गठन करने की विवशता ने अरब पार्टियों को हुकूमत का गठन करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

नीतिगत प्रश्नों पर रहे हैं मतभेद

नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित राजनीतिक गठबंधन और जनरल आइजनकोट की कयादत वाले राजनीतिक गठबंधन के मध्य अनेक नीतिगत प्रश्नों पर अत्यंत तल्ख और तनावपूर्ण मतभेद रहे हैं। अतः इस बात की संभावना अत्यंत क्षीण है कि दोनों राजनीतिक गठबंधन एकजुट होकर राष्ट्रीय सरकार का गठन कर सकेंगे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा अंजाम दिए गए घातक आक्रमण में तकरीबन 1200 से अधिक इजराइली नागरिक हलाक कर दिए गए थे और 251 को बंधक बना लिया था। गजा युद्ध में बड़े पैमाने पर इजराइल के रिजर्व सैनिक हताहत हुए थे। कट्टरपंथी यहूदियों का एक संप्रदाय हरेरी है, जिसकी कुल आबादी तकरीबन 15 फ़ीसदी है। यहूदी संप्रदाय हरेरी के युवाओं को अनिवार्य सैन्य सेवा से सदैव छूट हासिल रही है। पूर्णतः छूट के प्रश्न पर दोनों राजनीतिक गठबंधनों में गंभीर मतभेद विद्यमान हैं। जनरल आइजनकोट हरेरी संप्रदाय को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने के विरुद्ध हैं। यहूदियों के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष समाज के मध्य गहरी खाई सदैव विद्यमान रही है। इजराइल के राष्ट्रपति ने कहा कि संसदीय चुनाव में तकरीबन 78 प्रतिशत मतदान को दृष्टिगत रखते हुए कहा जा सकता है कि इजराइल के जनमानस में सजग और जीवंत लोकतंत्र के लिए कितनी गहरी इच्छा शक्ति विद्यमान है।

मिड-टर्म का महासंग्राम ट्रंप के भविष्य पर सवाल



चुनाव

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

अमेरिकी राजनीति में मिड-टर्म यानी मध्यावधि चुनाव हमेशा से व्हाइट हाउस में बैठे राष्ट्रपति के कार्यकाल के लिए एक महत्वपूर्ण जनमत संग्रह माने जाते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान हो रहे ये मिड-टर्म चुनाव केवल अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के नियंत्रण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' की नीतियों, आक्रामक व्यापारिक रुख और वैश्विक कूटनीति के लिए भी एक निर्णायक मोड़ साबित होने जा रहे हैं। यदि इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगता है तो इसके घरेलू राजनीति के साथ-साथ पूरी वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। अमेरिकी कानून के तहत मिड-टर्म चुनाव अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 सीटों, सीनेट यानी अमेरिकी उच्च सदन की 100 में से 35 सीटों, 36 राज्यों में गवर्नर पदों के लिए हो रहे हैं। कई प्रांतों में राज्य विधानमंडलों, मेयरों और स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल हैं। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव यह तय करेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप अपने एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ा पाएंगे या उन्हें अपने कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में कांग्रेस के कड़े विरोध और नियंत्रण का सामना करना पड़ेगा। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है। यदि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव या सीनेट में बहुमत हासिल कर लेती है तो ट्रंप प्रशासन के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना बेहद कठिन हो जाएगा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव 3 नवंबर 2026 को आयोजित होने जा रहे हैं। मिड-टर्म चुनावों में हार या रिपब्लिकन पार्टी का कमजोर प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रंप की राजनीतिक स्थिति को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। ऐसा होता है तो उनका विधायिका पर नियंत्रण कमजोर होना लाजिमी है।

इमिग्रेशन, कर कटौती और संघीय बजट जैसे अहम मुद्दों पर संसद का कड़ा विरोध उनका रास्ता रोकेगा। ट्रंप अगर कमजोर होते हैं तो उन पर महाभियोग और जांच का खतरा बढ़ जाएगा। इतिहास गवाह है कि जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी मिड-टर्म चुनावों में हारती है, विरोधी दल आक्रामक हो जाते हैं। यदि कांग्रेस पर विपक्ष का नियंत्रण होता है तो ट्रंप प्रशासन की नीतियों, कार्यकारी आदेशों और विदेश नीति के फैसलों के खिलाफ ताबड़तोड़ संसदीय जांच शुरू हो सकती है। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में अमेरिका केंद्रीय धुरी है। यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिड-टर्म चुनावों में पराजय का सामना करना पड़ता है तो इसका असर व्यापार, युद्ध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ना लाजिमी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा वैश्विक स्तर पर थोपे गए भारी-भरकम टैरिफ़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को हिलाकर रखा है। मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकन्स की हार को अलोकप्रिय आर्थिक नीतियों और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनता के गुस्से के रूप में देखा जाएगा। भले ही राष्ट्रपति ट्रंप के पास सीधे तौर पर ट्रेड टैरिफ़ लागू करने की कार्यकारी शक्तियां होती हैं, लेकिन संसद के दबाव और वैधानिक अवरोधों के कारण अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों की रफ्तार धीमी पड़ सकती है, जिससे वैश्विक बाजारों और मुक्त व्यापार समर्थकों को कुछ राहत मिल सकती है। वर्तमान में पश्चिम एशिया विशेषकर ईरान के साथ तनाव और सैन्य कार्रवाइयों के कारण वैश्विक तेल बाजार और अर्थव्यवस्था दबाव में हैं।

अमेरिकी जनता के एक बड़े वर्ग में इस बात की नाराजगी है कि इन विदेश नीतियों के कारण देश के भीतर जीवन स्तर महंगा हुआ है। जनता अगर रिपब्लिकन पार्टी को नकारती है तो अमेरिकी कांग्रेस युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों के जरिए राष्ट्रपति के सैन्य हस्तक्षेप के अधिकारों पर लगाम कसने का प्रयास तेज कर देगी। इससे ईरान और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में अमेरिका की सैन्य आक्रामकता सीमित हो सकती है जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सुरक्षा और तेल कीमतों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के रुख में नाटकीय बदलाव आए हैं और पारंपरिक यूरोपीय सहयोगियों के साथ दूरियां बढ़ी हैं। यदि डेमोक्रेट्स या ट्रंप विरोधी सांसद कांग्रेस में मजबूत होते हैं तो वे यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर सकते हैं। इससे यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के भीतर यह संदेश जाएगा कि अमेरिकी लोकतंत्र में अभी भी पारंपरिक गठजोड़ और बहुपक्षवाद के समर्थक मजबूत हैं। हालांकि, वाशिंगटन के भीतर इस खींचतान से वैश्विक सुरक्षा नीति में अनिश्चितता और बढ़ सकती है। ट्रंप प्रशासन ने ग्लोबल वार्मिंग, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से दूरी बनाने या अमेरिका को समेटने की नीति अपनाई है। अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव 2026 केवल घरेलू राजनीति का विषय नहीं हैं बल्कि यह इस बात का पैमाना है कि क्या दुनिया का सबसे ताकतवर देश एकांगी और राष्ट्रवादी मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा या बहुपक्षीय संतुलन की ओर लौटेगा। यदि इन चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को बड़ा झटका लगता है तो यह उनकी अजेय छवि को खंडित करेगा और वैश्विक मंच पर अमेरिकी फैसलों का पूर्वानुमान दोबारा स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा राजनीतिक संदेश साबित होगा।

लूला की जीत से ब्रिक्स को मिलेगी निरंतरता



मंथन

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारत में उनकी विजय को लेकर उत्साह अभूतपूर्व रहा है। लूला ने दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को शिकस्त दी। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया अमेरिकी दबदबे, चीन के बढ़ते प्रभाव और नए आर्थिक शक्ति केंद्रों के उभार के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही है, लूला की वापसी को एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सबसे पहले बात ब्रिक्स की। लूला की जीत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संदेश ब्रिक्स को लेकर है। ब्राजील इस संगठन का भारत के साथ संस्थापक सदस्यों में शामिल है। भारत, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिलकर ब्राजील भी लंबे समय से इस बात की वकालत करता रहा है कि दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में विकासशील देशों की भूमिका बढ़नी चाहिए। लूला ब्रिक्स को सिर्फ आर्थिक सहयोग का मंच नहीं मानते, बल्कि इसे वैश्विक व्यवस्था में संतुलन बनाने का जरिया भी मानते हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अमेरिका और यूरोप का दबदबा कम होना चाहिए और भारत, ब्राजील तथा दूसरे विकासशील देशों को ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। यही वजह है कि उनकी जीत से ब्रिक्स की मौजूदा दिशा को निरंतरता मिलने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान फ्लावियो बोल्सोनारो ने ब्रिक्स में ब्राजील की सदस्यता पर दोबारा विचार करने की बात कही थी। इसके उलट लूला ब्रिक्स के साथ सहयोग बढ़ाने के पक्षधर हैं। लूला भारत के मित्र हैं और भारत आते रहे हैं। जाहिर है कि लूला कि विजय से भारत खुश है। भारत और ब्राजील दोनों ही विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंचों पर मजबूती से उठाने की बात करते हैं। लूला की वापसी से भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतरता बनी रहनी तय है।

भारत के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि ब्रिक्स जैसे मंचों पर दोनों देशों के बीच सहयोग से विकासशील देशों की आवाज को और मजबूती मिल सकती है। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुश तो नहीं होंगे लूला की सफलता से। फ्लावियो बोल्सोनारो की जीत से वाशिंगटन को ब्राजील में एक ऐसा नेतृत्व मिल सकता था, जिसकी राजनीतिक सोच ट्रंप प्रशासन से ज्यादा मेल खाती। लेकिन लूला की जीत ने इस संभावना पर फिलहाल विराम लगा दिया है। लूला अमेरिका के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वह अमेरिकी दबाव में विदेश नीति चलाने के पक्षधर भी नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहता है कि ब्राजील अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से फैसले करे। वह अमेरिका के साथ व्यापार और निवेश बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए चीन या रूस से रिश्ते खराब करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय में दोनों मुल्कों के रिश्तों में तनाव भी देखने को मिला है। जैयर बोल्सोनारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और ब्राजील के घरेलू मामलों को लेकर ट्रंप प्रशासन की नाराजगी के बीच अमेरिका ने ब्राजील के सामान पर अतिरिक्त टैरिफ भी लगाए थे। ऐसे में लूला की जीत के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को लेकर खींचतान जारी रह सकती है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिकी बाजार और निवेश दोनों महत्वपूर्ण हैं। इसलिए लूला के सामने चुनौती यह होगी कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते भी संभालें और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखें। है। ब्राजील की प्राथमिकता अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित रखना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका बढ़ाना है। कुल मिलाकर, लूला की चौथी जीत को अमेरिका के खिलाफ जीत या चीन के पक्ष में जनादेश मानना जल्दबाजी होगी।

इसका असली संदेश यह है कि ब्राजील अपनी विदेश नीति में किसी एक महाशक्ति पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अमेरिका से रिश्ते भी रखेगा, चीन के साथ व्यापार भी बढ़ाएगा और ब्रिक्स में अपनी भूमिका भी मजबूत करेगा। दुनिया की बदलती व्यवस्था में ब्राजील की यही स्वतंत्र भूमिका आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकती है।



ब्राजील में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की चुनावों में जीत ने भारत समेत सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह जीत सिर्फ ब्राजील की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है। इसके संदेश अमेरिका, भारत, चीन, रूस और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए भी अहम हैं।

प्रवासन नीति को जवाबदेह बनाना जरूरी



यूरोप

चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र पत्रकार

हाल के वर्षों में यूरोप के कई देशों में हिंसा, आगजनी, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। कुछ घटनाओं में प्रवासियों और शरणार्थियों की संलिप्तता भी रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यूरोप ने स्वयं को मानवाधिकारों, उदारवाद और वैश्विक एकजुटता के प्रमुख समर्थक के रूप में प्रस्तुत किया। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, जातीय संघर्ष और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया के लाखों विस्थापित लोगों के लिए यूरोपीय देश सुरक्षित आश्रयस्थल बनकर उभरे। वर्ष 2015 में सीरिया के संकट के दौरान जर्मनी की तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल की उदार शरणार्थी नीति ने इस मानवीय दृष्टिकोण को नई ऊंचाई प्रदान की। किंतु पिछले कुछ वर्षों में यूरोप के विभिन्न देशों में बढ़ती हिंसा और सामाजिक तनाव ने वहां की सरकारों को अपनी प्रवासन नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है। कोई भी शरणार्थी अपने साथ अपनी भाषा, संस्कृति, विचारों और धार्मिक मान्यताओं को लेकर आता है।

विस्थापन की स्थिति में उसकी प्राथमिकता जीवन और आजीविका की सुरक्षा होती है, लेकिन समय के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने की इच्छा भी स्वाभाविक रूप से उभरती है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब प्रवासियों और स्थानीय समाज के बीच सांस्कृतिक दूरी बढ़ती जाती है और आपसी सामंजस्य स्थापित नहीं हो पाता। आज यूरोप के अनेक देश इसी चुनौती का सामना कर रहे हैं। यूरोपीय देशों ने मानवीय आधार पर लोगों को आश्रय तो दिया, लेकिन उन्हें मुख्यधारा में सम्मिलित करने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक रणनीतियों को हर जगह प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। भाषा की बाधा, रोजगार के सीमित अवसर, कौशल का अभाव और सांस्कृतिक अंतर ने अनेक प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण को कठिन बनाया। परिणामस्वरूप, कुछ क्षेत्रों में सामाजिक अलगाव, बेरोजगारी और अपराध जैसी समस्याएं बढ़ीं। इन परिस्थितियों के कारण फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, बेल्जियम, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में सुरक्षा, रोजगार, सार्वजनिक संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नागरिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। यूरोपीय देश इस समय दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एक ओर शरणार्थियों और प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण तथा अवसरों की समानता को लेकर बहस तेज हुई है, तो दूसरी ओर यूरोपीय युवाओं और आम नागरिकों के बीच राष्ट्रवाद तथा सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। परिणामस्वरूप, विभिन्न विचारधाराओं के बीच टकराव बढ़ने लगा। किसी भी देश की शरणार्थी और प्रवासन नीति उसके राष्ट्रीय हितों, संवैधानिक व्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप निर्धारित होती है। यूरोप में अब यह मांग जोर पकड़ रही है कि मानवीय आधार पर शरण देने के साथ-साथ कौशल-आधारित वैध प्रवासन को भी व्यवस्थित और प्रोत्साहित किया जाए। यूरोप के अनेक देश बढ़ती आयु वाली आबादी और विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों की आवश्यकता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना व्यावहारिक समाधान नहीं है। यूरोप का शरणार्थी संकट स्पष्ट करता है कि केवल मानवीय आधार पर शरण देना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ सामाजिक एकीकरण, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और दीर्घकालिक योजना पर भी गंभीरता से काम करना आवश्यक है। दूसरी ओर, प्रवासन को पूरी तरह समाप्त करना भी व्यावहारिक विकल्प नहीं है, क्योंकि यूरोप के अनेक देशों को श्रमिकों और पेशेवर लोगों की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में उदारता को समाप्त करने के बजाय प्रवासन नीति को अधिक व्यवस्थित, चयनात्मक और जवाबदेह बनाना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।



मानवीय करुणा तथा मानवाधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यूरोप का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा, आर्थिक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के साथ शरणार्थियों के एकीकरण को किस प्रकार सुनिश्चित करता है।

जुरेल और पडिक्कल का जलवा, न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ मजबूत स्थिति में भारत 'ए'

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

कप्तान ध्रुव जुरेल के नाबाद 99 रन और देवदत्त पडिक्कल के 80 रन की मदद से भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन शनिवार को 7 विकेट पर 291 रन बनाए। जुरेल 155 गेंद में 99 रन बनाकर और आकाश दीप 25 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

दोनों अभी तक आठवें विकेट की साझेदारी में 69 रन जोड़ चुके हैं। लंच के समय भारत ए का स्कोर एक विकेट पर 87 रन था। यशस्वी जायसवाल को पहले ओवर की चौथी गेंद पर तेज गेंदबाज फ्रेजर शीट ने पगबाधा आउट किया। लंच के बाद पहले ओवर में साइ सुदर्शन (41) आउट हो गए, जिन्हें तेज गेंदबाज जेरोड मैकी ने विकेट के पीछे मिचेल हे के हाथों लपकवाया। पडिक्कल ने दूसरा छोर संभालकर 101 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।



भारत के 7 रन पर गिरे 3 विकेट

भारत का स्कोर एक समय दो विकेट पर 131 रन था लेकिन न्यूजीलैंड ने 7 रन के भीतर 3 विकेट चटकाए। यश राठौड़ (13) पहले आउट हुए और उनके बाद पडिक्कल का विकेट गिरा। रविचंद्रन स्मरण को शीट ने पगबाधा आउट किया। वॉशिंगटन सुंदर को भी शीट ने ही पवेलियन भेजा। जुरेल और मानव सुतार (22) ने सातवें विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 93 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

शतक से एक रन दूर जुरेल

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान जुरेल अपने शतक से मात्र 1 रन दूर हैं। जुरेल 155 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 99 रन पर नाबाद हैं। उनके साथ आकाश दीप 58 गेंदों पर 25 रन बनाकर खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड की तरफ से फ्रेजर शेट से 4 विकेट लिए हैं। ब्रेट रैंडेल, जारोड मैके और जेडन लेनोक्स ने 1-1 विकेट लिए हैं।



जायसवाल का तीसरा फ्लॉप शो

एक तरफ जहां पडिक्कल ने अपनी बल्लेबाजी से छाप छोड़ी, वहीं सीनियर टीम के नियमित ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का खराब फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है। यशस्वी मैच की पहली ही ओवर में फ्रेशर शीट की गेंद पर खाता खोले बिना चार गेंदों में शून्य पर आउट हो गए। आगामी न्यूजीलैंड सीरीज से पहले उनका यह लगातार तीसरा फ्लॉप शो है। इससे पहले उन्होंने सीरीज के पहले मैच में भी महज 17 और 5 रन बनाए थे।

डक पर आउट हुए रविचंद्रन

भारतीय मध्यक्रम की शुरुआत इस मैच में कुछ खास नहीं रही। पडिक्कल के आउट होने के ठीक बाद मैदान पर उतरे स्मरण रविचंद्रन भी अपनी पहली ही गेंद पर एलबीडब्ल्यू होकर गोल्डन डक का शिकार बन गए। वहीं पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाने वाले विदर्भ के यश राठौड़ से भी बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन वे भी मात्र 13 रन बनाकर चलते बने, जिससे भारतीय पारी बीच में लड़खड़ाती नजर आई।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां मैच आज, सूर्यवंशी की वापसी संभव

हार के बाद बदलाव की राह पर भारत आखिरी टी-20 में नई टीम इलेवन!

एजेंसी ▶▶| हैमिल्टन

अपने स्थापित खिलाड़ियों का हमेशा समर्थन करने वाला भारतीय टीम प्रबंधन आकलैंड में पिछले मैच में मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को पांचवें और आखिरी टी20 मैच में अंतिम एकादश में बदलाव कर सकता है। भारत ने श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढत बना ली है लेकिन विश्व चैंपियन टीम 5 मैचों की श्रृंखला से आखिरी मैच हारकर विदा नहीं लेना चाहेगी।

ऐसे में वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है और उस दशा में संजू सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। सैमसन ने इस श्रृंखला में 67, 14, 18, 4 रन बनाए हैं। टीम प्रबंधन का उन्हें पूरा समर्थन हासिल है लेकिन एक ब्रेक से वह खोई लय हासिल कर सकते हैं।

लय हासिल करना चाहेंगे अय्यर

हाल ही में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खुद श्रेयस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वे लोगों का ध्यान खींचने में नाकाम रहे। अय्यर ने टी20 में पहला शतक जमाने के बाद अगले 8 मैचों में 40, 1, 16, 22, 42, 7, 5, 22 रन बनाए। यहां अच्छी पारी खेलकर वह भी लय हासिल करना चाहेंगे। अय्यर के नाकाम रहने से निचले क्रम में नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया।



भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर

गेंदबाजी में दूसरे और तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 200 रन से कम पर रोकने के बावजूद भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर हुई हैं। भारत अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल पर विकेटों के लिये काफी निर्भर रहा है । चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार अपेक्षा के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। भुवनेश्वर ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और उनका इकॉनॉमी रेट 12 के आसपास रहा है। अर्शदीप अकेले भारतीय गेंदबाज हैं, जिनका इकॉनॉमी रेट इस श्रृंखला में 10 से कम रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में धार देने के लिए कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती को टीम में लाना होगा, जिसके लिए धीर को बाहर रहना पड़ सकता है। तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को भी बैकअप गेंदबाजों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन उनके महंगे साबित होने का खतरा है।

आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी कीवी टीम

न्यूजीलैंड टीम पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले आखिरी मैच जीतकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। अगले साल अफ्रीका में होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले यह वनडे श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है।

मैच का समय : भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेंगे आकिब नबी

4 नवंबर को आकलैंड में पहला मैच



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तेज गेंदबाज आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले 3 वनडे मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पांच मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। नबी चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में थे लेकिन अब वह पहले मैच से ही चयन के लिए उपलब्ध होंगे। पहला मैच 4 नवंबर को आकलैंड में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा,' दाहिने हाथ के इस तेज गेंदबाज को चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था लेकिन अब वह वनडे श्रृंखला की शुरुआत से टीम में होंगे।' जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज नबी ने हाल ही में लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के लिए चार दिवसीय मैच खेलकर दो पारियों में 6 विकेट लिए थे।

पहले तीन वनडे के लिए टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, रूतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहला वनडे), आकिब नबी।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन, अक्षर पटेल, नमन धीर,गुरनूर बरार, रुतुराज गायकवाड़,अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

खबर संक्षेप



ग्वांगझोउ ओपन : वीनस की डब्ल्यूटीए टूर में हार

ग्वांगझोउ। अमेरिकी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स को 8 साल बाद डब्ल्यूटीए टूर के किसी सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। ग्वांगझोउ ओपन के विमेंस डबल्स सेमीफाइनल में वह इंडोनेशिया की जेनिस त्जेन के साथ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। 1 घंटे 45 मिनट तक चले इस मुकाबले में उन्हें 6-4, 6-7 (8), 10-6 से शिकस्त मिली। 2016 के ओलंपिक और विंबलडन के बाद से यह विलियम्स का पहला डब्ल्यूटीए टूर डबल्स सेमीफाइनल था। साथ ही, 2018 के इंडियन वेल्स के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल था।

विदर्भ की तरफ से खेलेंगे आदित्य ठाकरे

नागपुर। दाहिने हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज आदित्य ठाकरे ने मध्यप्रदेश के खिलाफ 2 नवंबर से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी मैच के लिए विदर्भ टीम में यश ठाकुर की जगह ली है, जो भारतीय टीम में चुने गए हैं।



दो बार की रणजी चैंपियन विदर्भ टीम जामथा के वीसीए स्टेडियम पर ग्रुप ए का यह मैच खेलेगी। ठाकुर को न्यूजीलैंड में चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए भारतीय टीम में चुना गया है, जिससे वह यह मैच नहीं खेल सकेंगे।

पैन पैसिफिक ओपन

फाइनल में लेयला अब डायना से भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने पैन पैसिफिक ओपन सेमीफाइनल में कामिला राखीमोवा को हराकर इस साल के अपने तीसरे डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उनका मुकाबला डायना श्नाइडर से होगा, जो मिया पोहानकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। फर्नांडीज ने दोनों सेट में ब्रेक डाउन के बाद राखीमोवा को एक घंटे 54 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-3 से हराया। तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद वह पहले सेट में 1-3 से पीछे चल रही थीं, लेकिन छठे गेम में उन्होंने इसे वापस हासिल करके स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। दोनों ने अपनी सर्विस बनाए रखी, इससे पहले कि कनाडाई खिलाड़ी ने 12वें गेम में निर्णायक ब्रेक लेकर पहला सेट 59 मिनट में 7-5 से जीत लिया। दूसरे सेट के पहले गेम में ही उन्होंने अपनी सर्विस गंवा दीं। उन्होंने चौथे गेम में उज्बेक खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-2 की बराबरी कर ली, फिर ब्रेक लेकर 5-3 की बढ़त बना ली और 49 मिनट के दूसरे सेट में होल्ड के साथ गेम खत्म किया।



भारतीय पुरुष व महिला कबड्डी टीम ने जीते राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के खिताब

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को यहां पहली राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप के फाइनल में शानदार जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा किया। पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराया जबकि महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। भारत की दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा और अजेय रहते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महिला फाइनल में भारत की ओर से साक्षी ने सबसे ज्यादा नौ रेड अंक जुटाए। अनु ने छह रेड अंक हासिल किए, जबकि कप्तान निधि शर्मा ने तीन बोनस सहित पांच अंक का योगदान दिया। रितु और सुमन ने रक्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार-चार टैकल अंक हासिल किए। भारतीय महिला टीम ने ने रेड से 20 और टैकल से 10 अंक जुटाए। इस दौरान टीम ने युगांडा को दो बार ऑलआउट किया। युगांडा की ओर से नाकायोंगो शिरात ने सबसे ज्यादा 11 अंक जुटाए। हालांकि, उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं। युगांडा ने कुल 14 रेड अंक और एक टैकल अंक हासिल किया। साक्षी ने जीत के बाद कहा, "मैं बहुत खुश हूं कि मैंने नौ रेड अंक हासिल किए और टीम की जीत में योगदान दिया।"

सिंधू-लक्ष्य हाइलो ओपन के फाइनल में पहुंचे

सारब्रकेन (जर्मनी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारत की पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में हमवतन अनमोल खरब को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे सप्ताह फाइनल में प्रवेश किया। पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही सिंधू ने विश्व रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज अनमोल को 32 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में 21-13, 21-16 से शिकस्त दी। लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल मुकाबले के सीधे गेमों में फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव (13वीं विश्व रैंकिंग) को 41 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 21-13 से हराया। फाइनल में लक्ष्य के सामने डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन और इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता की चुनौती होगी। सिंधू फाइनल में डेनमार्क की लाइन होयमार्क क्येरफेल्ट के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगी। क्येरफेल्ट ने एक घंटे 22 मिनट तक चले अन्य सेमीफाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 8-21, 21-19, 28-26 से हराया। उन्नीस वर्षीय अनमोल अपने करियर में दूसरी बार सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इससे पहले उन्होंने पिछले साल आर्कटिक ओपन के अंतिम चार में जगह बनाई थी। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच इससे पहले 2024 में सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल में मुकाबला हुआ था जिसमें सिंधू ने सीधे गेम में जीत दर्ज की थी।

रबाडा ने रचा इतिहास, टेस्ट में लिए सबसे तेज 350 विकेट

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया है। रबाडा टेस्ट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज 350 विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं।

रबाडा ने यह मुकाम 13,808 गेंद फेंककर हासिल किया है। उन्होंने इस मामले में डेल स्टेन को पीछे छोड़ा है। स्टेन ने यह उपलब्धि 14,719 गेंद फेंककर हासिल की थी। रबाडा साउथ अफ्रीका की ओर से टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले टीम की तरफ से यह मुकाम डेल स्टेन, शॉन पोलॉक और मखाया एंटिनी ही हासिल कर सके हैं।



रबाड़ा ने की मार्शल के रिकॉर्ड की बराबरी

रबाडा ने यह मुकाम अपने 75वें टेस्ट में हासिल करते हुए वेस्टइंडीज के पूर्व गेंदबाज मैल्कम मार्शल के रिकॉर्ड की बराबरी की। मार्शल ने भी अपने टेस्ट करियर के 75वें मुकाबले में 350 विकेट पूरे किए थे। रबाडा मैचों के लिहाज से टेस्ट में सबसे तेज 350 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रूप से तीसरे गेंदबाज बने हैं। रबाडा ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले साउथ अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज बने हैं। उन्होंने अपने करियर के 260वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। साउथ अफ्रीका की तरफ से टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड शॉन पोलॉक के नाम है, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 823 विकेट निकाले हैं।

एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटी थीं मनीषा

लॉस एंजिलिस ओलंपिक पदक पर मनीषा की नजरें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन बनी मनीषा भानवाला की नजरें 2005 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में 57 किलोवर्ग में पदक जीतने पर है और इस अनुभवी पहलवान की ताकत उनके पिता है, जो उनके दिल में बसते हैं। 29 वर्ष की मनीषा ने कजाखस्तान के अस्ताना में इतिहास रच दिया जब वह सीनियर कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई।

एशियाई खेलों की नाकामी की बखूबी भरपाई करते हुए उन्होंने कैरियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटी मनीषा ने अपने कोच वीरेंदर दहिया की सलाह मानकर विश्व चैंपियनशिप पर पूरा फोकस रखा,जिसकी उन्हें फायदा मिला।

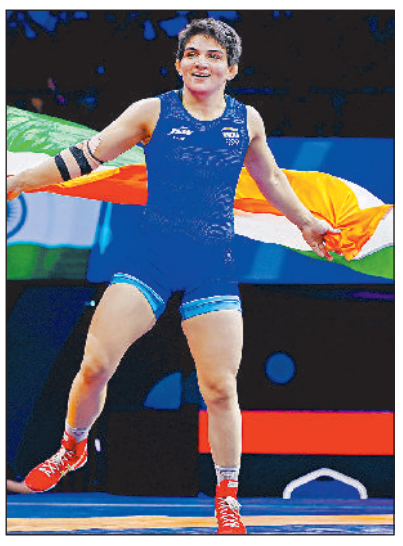

वजन कम करने के लिए मिला कम समय

मनीषा ने कहा,' एशियाई खेलों में किस्मत ने साथ नहीं दिया। मैं कोच से कुश्ती, अभ्यास और रिकवरी के बारे में पूछती रही। उन्होंने कहा कि अगला लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप होना चाहिए। मुझे अभी भी याद है कि उन्होंने कहा था कि ईश्वर ने मेरे लिए कुछ बड़ा सोच रखा है।' एशियाई खेलों में 57 किलोवर्ग में भाग लेने के बाद विश्व चैंपियनशिप में वह 59 किलो में उतरी। उनका मानना है कि दोनों टूर्नामेंटों के बीच में अंतर कम रहने से उन्हें रिकवरी और वजन कम करने के लिए काफी कम समय मिला। उन्होंने कहा,' मुझे एशियाई खेलों में पदक जीतने का यकीन था। मुझे पता था कि विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा। दस दिन में वजन कम करना कठिन था तो मुझे लगा कि 59 किलो सही रहेगा।'

पिता ने निभाई कैरियर में अहम भूमिका

मनीषा के लिए यह जीत पदक से कहीं अधिक मायने रखती है। उन्हें कुश्ती में उतारने वाले पिता ने उनके कैरियर में अहम भूमिका निभाई लेकिन 2022 में उनका निधन हो गया। विश्व चैंपियनशिप फाइनल से पहले उन्होंने अपने पिता की याद में एक खास टीशर्ट पहना था। मनीषा ने कहा,' मैं बता नहीं सकती कि मेरे पिता की कितनी बड़ी भूमिका रही है। मैं उनसे बात करती रहती हूं मानो वह मेरे भीतर हों। वह मेरे दिल में बसते हैं और मेरे जीवन का हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा,'मेरे पिता ने सिखाया कि या तो कोई काम शुरू मत करो और करो तो पूरा करके ही दम लो। यह मेरे खून में है। कुश्ती मेरे लिए पहला और आखिरी विकल्प है। इसने मुझे जीवन, नाम और जीने का सामर्थ्य दिया।'

खबर संक्षेप

कैलिफोर्निया में फायरिंग 1 की मौत, 6 घायल

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दुकान में गोलीबारी की घटना हुई है। फेयरफील्ड शहर के सोलानो टाउन सेंटर स्थित स्पिरिट हैलोवीन स्टोर में शुक्रवार देर रात गोलियां चलीं। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, सभी सात लोगों को गोली लगी थी। पुलिस के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से कम से कम तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा यूएस

कीव। अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इस डील की कीमत करीब 19 हजार करोड़ रुपए है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय देश और कनाडा उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों से बचाव के लिए हर महीने 100 मिसाइलें देने की मांग की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इस संभावित सौदे को मंजूरी दी।

पोलैंड के सुप्रीम कोर्ट चीफ के निलंबन पर हंगामा

पीएम टस्क पर तख्तापलट का आरोप, देशभर में प्रदर्शन, राष्ट्रपति का विमान बीच रास्ते से लौटा

हजारों लोग जज के फैसले के विरोध में अदालत के बाहर जमा हो गए

कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर चीजें फेंकीं


वारसॉ में संवैधानिक प्राधिकरण इमारत के सामने प्रदर्शनकारी

एजेंसी ⏭ वारसॉ

पोलैंड के सुप्रीम कोर्ट चीफ के निलंबन ने हंगामा खड़ा कर दिया है। देश में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की सेनेगल जाते समय बीच रास्ते से ही वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्रपति का देश में रहना जरूरी है। यह कदम तब उठाया गया जब देश की संवैधानिक न्यायाधिकरण (टीके) के अध्यक्ष और उनके डिप्टी को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया गया।

देश को बर्बाद मत करो

विपक्षी नेताओं ने इस कदम को 'तख्तापलट' करार दिया, जबकि पीएम डोनाल्ड टस्क ने कानून बहाल करने के प्रयासों का बचाव किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने हाथों में सरकार विरोधी पोस्टर ले रखे थे। इन पर लिखा था, 'कम्युनिस्टों और टस्क की सरकार को हटाओ' और 'देश को बर्बाद करना बंद करो'। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कुछ चीजें फेंककर विरोध जताया।

पोलैंड में राष्ट्रपति देश के संवैधानिक प्रमुख


नावरोत्स्की

पोलैंड में राष्ट्रपति और पीएम दोनों की अलग-अलग जिम्मेदारियां हैं। पीएम डोनाल्ड टस्क सरकार चलाते हैं, जबकि राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। दोनों के बीच अदालतों में जजों की नियुक्ति और उनके काम करने के तरीके को लेकर विवाद चल रहा है। अब यह लड़ाई देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल तक पहुंच गई है।

पीएम टस्क पर संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप

पोलैंड में पीएम डोनाल्ड टस्क की सरकार पर देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। यह विवाद देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल को लेकर शुरू हुआ है। एक जज ने शुक्रवार को संवैधानिक ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया।

कानून का राज बहाल करना जिम्मेदारी : टस्क

पीएम डोनाल्ड टस्क ने अपनी सरकार के फैसलों का बचाव किया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि पीआईएस पार्टी के शासन में सालों तक कानून का उल्लंघन हुआ। अब कानून का राज बहाल करना एक मुश्किल प्रक्रिया है। इसमें कभी-कभी कड़े और दर्दनाक फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।


डोनाल्ड टस्क

6 नए जजों की नियुक्ति से गहराया विवाद

इस साल मार्च में पोलैंड की संसद ने संवैधानिक ट्रिब्यूनल के लिए 6 नए जज चुने। लेकिन राष्ट्रपति नावरोत्स्की ने इनमें से केवल 2 जजों को अपने सामने शपथ दिलाई। बाकी 4 जजों को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया।

दीपके ने दोसांझ से माफी मांगी

बोले- 'छोटा भाई समझकर माफ कर दो'

नई दिल्ली। सीजेपी इस साल नीट पेपर लीक मामले पर प्रदर्शन करने को लेकर चर्चा में रही है। जून में जब यह पार्टी दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही थी, तब अभिनेता-सिंगर दिलजीत से इस मामले पर उनका रुख पूछा गया था। उस वक्त



दिलजीत ने कहा था, 'मुझसे दूर ही रखो, मैं एक आर्टिस्ट हूं, राजनेता नहीं।' दीपके को दिलजीत की यह बात अच्छी नहीं लगी थी। अब दिल्ली में दिलजीत का कॉन्सर्ट हुआ है। इसमें उन्होंने 'मैं आर्टिस्ट हूं' वाले बयान पर अपनी राय रखी है। अभिजीत दीपके ने लिखा, 'दिलजीत पाजी के लिए। पाजी, जून में जब हम प्रदर्शन कर रहे थे, आपके कमेंट से मुझे दुख पहुंचा था। इसलिए नहीं क्योंकि आपकी पर्सनैलिटी के खिलाफ मेरे मन में कुछ था, बल्कि इसलिए दुख हुआ था क्योंकि मैंने आपको हमेशा सही चीजों के लिए बोलते देखा है। मैं हमेशा से आपका फैन रहा हूं। मैं अब भी आपके गाने सुनता हूं।



आशुतोष दीक्षित ने पदभार संभाला

3500 घंटे की उड़ान का अनुभव 20 से अधिक विमानों के माहिर पायलट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शनिवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के नए प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हे 20 से अधिक तरह के विमानों पर 3,500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने का अनुभव है और वह एक कुशल फाइटर जेट पायलट हैं। रणनीतिक योजना के लिए पहचाने जाने वाले और 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभाने वाले एयर चीफ मार्शल दीक्षित इससे पहले वायुसेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत थे।


आशुतोष दीक्षित, नए वायुसेना प्रमुख

कई अभियानों में सक्रिय भूमिका

लगभग चार दशक के अपने सेवाकाल के दौरान, एयर मार्शल दीक्षित कई अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, जिनमें ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर शामिल हैं। उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें 2006 में वायु सेना पदक, 2011 में विशिष्ट सेवा पदक, 2023 में अति विशिष्ट सेवा पदक और 2026 में परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

यूएन महासचिव पद पर तुर्किये की नजर

पूर्व विदेश मंत्री को मैदान में उतारा 5 स्थाई सदस्यों की अहम भूमिका

एजेंसी ⏭ अंकारा

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अगले महासचिव पद की दौड़ में तुर्किये ने अपने पूर्व विदेश मंत्री फेरिदुन सिनिरलियोग्लू का नाम आगे बढ़ाया है।


फेरिदुन सिनिरलियोग्लू

तुर्किये ने शनिवार को आधिकारिक रूप से उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस कदम को तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का समर्थन हासिल है। सिनिरलियोग्लू 70 साल के हैं। वह 2015 में कुछ महीनों तक तुर्किये के विदेश मंत्री रहे थे। इसके बाद 2016 से 2023 तक उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में तुर्किये के राजदूत के तौर पर काम किया। फिलहाल वह वियना स्थित यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) के महासचिव हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल दिसंबर 2027 में खत्म होना है। संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस करीब 10 साल से इस पद पर हैं। उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद नए महासचिव की नियुक्ति होगी। सात अन्य उम्मीदवार भी इस पद की दौड़ में हैं।

एआई अब बना साइबर जासूसी का महत्वपूर्ण हथियार

14 देशों के 200 से ज्यादा संगठन निशाने पर, मंत्रालय और रक्षा कंपनियां प्रभावित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल अब साइबर जासूसी अभियानों को बड़े पैमाने पर अंजाम देने के लिए भी किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक ने चीन से जुड़े हैकर समूह 'वेपर पांडा' के ऐसे ही अभियान का खुलासा किया है। इसमें एआई आधारित एजेंटिक फ्रेमवर्क से 14 देशों के 200 से अधिक संगठनों को निशाना बनाया गया। इनमें कई मंत्रालय व सरकारी विभाग शामिल थे।



नेटवर्क निगरानी करनी होगी मजबूत

इससे सरकारी विभागों, कंपनियों और जरूरी सेवाओं से जुड़े नेटवर्क की सुरक्षा चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसे में संगठनों के लिए नेटवर्क की निगरानी, मजबूत पासवर्ड व्यवस्था, लॉगिन गतिविधियों की जांच और संदिग्ध गतिविधियों की समय पर पहचान करना अहम हो जाता है।

एआई एजेंट्स कर रहे मदद

एआई आधारित टूल्स की वजह से साइबर हमलों का तरीका बदल रहा है। जहां पहले हैकर्स को कई तकनीकी काम खुद करने पड़ते थे, वहीं एआई एजेंट्स (एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क) कुछ प्रक्रियाओं को तेजी से और व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।



Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: HISSAR: Ashwani Honda - 9992220142; **NARNAUND:** 9996786352; Malik Autos Honda - 8572888882; **HANSI:** Malik Autos Honda - 8572888818; **BARWALA:** Malik Autos Honda - 8572888814; **ADAMPUR:** Malik Autos Honda - 8572888813; **BHIWANI:** MRM Honda - 9992888908; **CHARKHI DADRI:** MRM Honda - 9992888914; **BADHRA:** SS Honda - 9991940444; **TOSHAM:** MRM Honda - 9992888906; **FATEHABAD:** Manjhu Honda - 9992221831; **RATIA:** Avni Honda - 8168871488; **TOHANA:** Bharat Honda - 9728435800; **SIRSA:** Decent Honda - 9996020993; **BAWANI KHERA:** ASR Honda - 7056710107; **ELLENABAD:** R S Honda - 9729542078; **DABWALI:** Decent Honda - 9996688044; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888804; Shri Krishna Honda - 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808; **MAHAM:** RS Honda - 9812746500; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 8607200651; **KANINA:** Suraj Honda - 9466082883; **REWARI:** Shree Honda - 9215059220; **REWARI BYEPASS:** Shree Honda - 7056661424; **BAWAL:** Avtar Honda - 9729130036; **NUH:** Sri Madhav Honda - 8708512346; **DHARUHERA:** Shree Honda - 8689065800; **KOSLI:** Dev Honda - 9996772999; **PALHAWAS:** Krishna Honda - 9992186137; **MAHENDERGARH:** White Feather Honda - 9416574455; **NARNAUL:** BRS Honda - 9050109779; **ATELI:** Shiva Honda - 8053782800; **PANIPAT:** L.K. Honda - 7876767800; Malik Honda - 9382938293; **MADLOUDA:** Puneet Honda - 8813050100; **ISRANA:** Kundu Honda - 9518095430; **KARNAL:** Ess Kay Honda - 9053554321; Rahul Karnal Honda - 9813100005; **ASSANDH:** Raman Honda - 9896678058; **INDRI:** Kalra Honda - 9996909466; **TARAORI:** Navya Honda - 9896939869; **SONEPAT:** Triumph Honda - 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK (SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **GOHANA:** Shirin Honda - 9053922215; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921; **JIND:** S.J Jind Honda - 9350984119; **NARWANA:** Shivam Honda - 9812318005; **SAFIDON:** BRS Honda - 8396989000; **YAMUNANAGAR:** Sai Honda - 9034051285; **ITI CHOWK:** Sai Honda - 8950374020; **KURUKSHETRA:** Arsh Honda - 8053444441; Singla Honda - 9467766711; **LADWA:** Deepak Honda - 9812077382;**PEHOWA:** Chirag Honda - 8330000050; **KAITHAL:** Kaithal Honda - 9991825394; **CHEEKA:** Kaithal Honda - 9541021041; **PUNDRI:** Lakhan Pal Honda - 9416847289; **GHARAUNDHA:** Esskay Honda - 9812136979; **SAMALKHA:** L.K. Honda - 8059900602; **MODEL TOWN (PANIPAT):** L.K. Honda - 8059900603; **SADHOURA:** Shree Ganpati Honda - 8708287839; **RADAUR:** Ganpati Honda - 9896665666; **AMBALA CANTT:** Auto World Honda - 9996311223; **AMBALA CITY:** S.D. Honda - 9992827777; Samrithi Honda - 9053005600; **MAHESH NAGAR:** Auto World Honda - 9896028089; **NARAINGARH:** SD Honda - 9416027672; **BARARA:** Harmilap Honda - 9416494933; **JAGADHARI:** Shiv Shankar Honda - 9355320111; **BILASPUR:** Bakshi Honda - 9934390054; **PANCHKULA:** Joshi Honda - 9915495288; **BARWALA PANCHKULA:** Aviate Honda - 9815555919; **PINJORE:** Sukhija Honda - 7206111444; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9625268154; **GAUNCHI:** Kabir Honda - 9717967717; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 9311485006; Faridabad Honda - 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda (Sohna Road) - 9773548833; Ganpati Honda - 9910894235; Yume Honda - 9818250011; Malwa Gurugram Honda - 9311980996; **BADSHAHPUR:** Big Swing Honda - 9773548844; **CHAKKARPUR:** Big Swing Honda - 9355990083; **KHANDSA ROAD:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 9910894233; Yume Honda - 9650186777; **SEC-52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222; **SEC-82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **FARUKH NAGAR:** JRV Honda - 9211298103; **HODAL:** Mukund Honda - 8168971032; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056575100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333; **CHANDIGARH:** Krishna Honda - 9855146632; Platinum Honda - 9855155999; **PANCHKULA:** Joshi Honda - 0172-5057300; **BARWALA:** Aviate Honda - 8199994719; **DERABASSI:** Satkar Honda - 8566024511; **MANIMAZRA:** Krishna Honda - 9646744346; **PINJORE:** Sukhija Honda - 8950222250; **ZIRAKPUR:** Platinum Honda - 8725050060; **MOHALI:** Batra Honda - 9875910834; Platinum Honda - 7719619990; **MULLANPUR:** Platinum Honda - 9779996552; **BANUR:** Platinum Honda - 7374071740; **KHARAR:** Batra Honda - 9056709831; **KURALI:** Batra Honda - 9056709833; **BULLOWAL:** Bedi Honda - 8283000673.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28